mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-38 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

08 अगस्त 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

मैंने कभी नहीं सोचा था
@ पेज 7

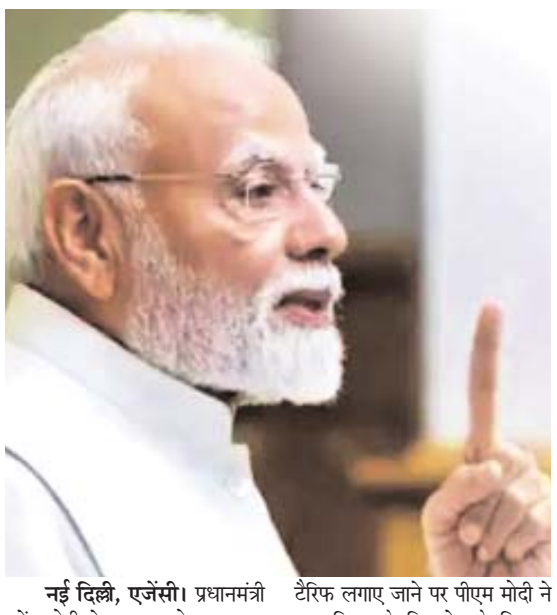

पीएम मोदी का ट्रंप को साफ संदेश

देश के लिए कीमत चुकाने को तैयार हूं किसान, संप्रभुता के साथ कोई समझौता नहीं..

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को साफ कर दिया कि अमेरिका जितना भी टैरिफ बढ़ा ले, लेकिन भारत किसी देश के आगे झुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके लिए देश के किसान सबसे पहली प्राथमिकता हैं। किसानों के हितों के खिलाफ जाकर भारत किसी तरह का समझौता करने वाला नहीं है। भारत के खिलाफ अमेरिका की तरफ से 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने पर पीएम मोदी ने कहा कि उनके लिए देश के किसान सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशु पालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा।

कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार हूं : पीएम मोदी ने कहा, मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है। हालांकि पीएम मोदी ने अपने भाषण में अमेरिका का जिक्र नहीं किया लेकिन यह बयान साफ तौर पर अमेरिकी एक्शन की प्रतिक्रिया है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है। इसलिए बीते वर्षों में जो नीतियां बनी, उनमें सिर्फ मदद नहीं थी, किसानों में भरोसा बढ़ाने का प्रयास भी था। पीएम किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सीधी सहायता ने छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। पीएम फसल बीमा योजना ने किसानों को जोखिम से सुरक्षा दी है। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को एमएस स्वामीनाथन शताब्दी

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे। पीएम मोदी का यह बयान तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार को इससे जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर दिए थे। यह आदेश 21 दिन बाद 27 अगस्त से लागू होगा। अमेरिकी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को भारत पर 25प्रतिशत टैरिफ का ऐलान किया था। अब भारत पर कुल 50प्रतिशत टैरिफ लगेगा।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने क्या कहा था

विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में भारत के रूस से किए जा रहे तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने पहले ही साफ कर दिया है कि हम बाजार की स्थिति के आधार पर तेल खरीदते हैं और इसका मकसद 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगा रहा है, जबकि कई और देश भी अपने हित में यही काम कर रहे हैं। हम दोहराते हैं कि ये कदम अनुचित, नाजायज और गलत हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

राहुल बोले- ट्रम्प का 50प्रतिशत टैरिफ इकोनॉमिक ब्लैकमेल

बेहतर होगा कि मोदी अपनी कमजोरियों को जनता के हितों पर हावी न होने दें

नई दिल्ली,एजेंसी। राहुल गांधी ने बुधवार को रूसी तेल खरीदने पर भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका की आलोचना की। साथ ही इसे भारत सरकार को अनुचित व्यापार समझौते के लिए धमकाने के लिए इकोनॉमिक ब्लैकमेल करार दिया।

सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए लिखा कि पीएम को अपनी कमजोरी को भारतीय लोगों के हितों पर हावी नहीं होने देना चाहिए। राहुल का यह बयान अमेरीकी प्रेसिडेंट ट्रम्प के भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद आया है।इससे पहले 30 जुलाई को भारत पर 25त्न टैरिफ का ऐलान किया था। इससे जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। यह आदेश 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से लागू होगा। हालांकि भारत ने अमेरिका के कदम को अनुचित बताते हुए रद्द कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि हम अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे।

राहुल ने डेड इकोनॉमी वाले बयान का समर्थन किया था : इससे पहले 3 अगस्त को ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा था कि मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने संसद के बाहर मीडिया के सवाल के जवाब में कहा था- पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है।

इसके बाद राहुल ने X पर पोस्ट में लिखा था कि भारत की इकोनॉमी मर चुकी है। इसे मोदी ने मार दिया।

मोदी सरकार की विदेश नीति फेल, ट्रंप के टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने पर बोले खरगे

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आने वाले सामान पर 25प्रतिशत अतरिक्त टैक्स लगा दिए है। यह टैक्स भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाया गया है। इस फैसले के बाद भारत से अमेरिकी बाजार में जाने वाले सामान पर कुल 50% टैक्स लगने लगेगा। ऐसे में भारत में इस बात को लेकर भी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी सिलसिले में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाए जाने के फैसले को केंद्र सरकार की विदेश नीति की बड़ी विफलता बताया। खरगे ने कहा कि ट्रंप का यह कदम ऐसे समय में आया है जब भारत की कूटनीति कमजोर और भ्रमित नजर आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संकट से निपटने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं और अब ट्रंप भारत पर दबाव बना रहे हैं। बता दें कि ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीद जारी रखने को लेकर नाराजगी जताते हुए भारत से आने वाले कई उत्पादों पर अतिरिक्त 25प्रतिशत शुल्क लगा दिया। पहले से ही 25प्रतिशत टैरिफ लागू था, जिससे अब कुल शुल्क 50प्रतिशत हो गया है। यह आदेश 7 अगस्त से लागू हो गया है।

आसाराम बापू की अंतरिम जमानत 21 अगस्त तक बढ़ी, गुजरात हाईकोर्ट का आदेश

अहमदाबाद,एजेंसी। गुजरात हाई कोर्ट ने गुरुवार, 7 अगस्त को आसाराम बापू की अंतरिम जमानत 21 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी है। आसाराम बापू को 2013 के दुष्कर्म मामले में गांधीनगर की सेशंस कोर्ट ने दोषी ठहराया था और वे इस समय उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। इससे पहले 3 जुलाई को हाई कोर्ट ने एक महीने की जमानत दी थी। उस समय आसाराम के वकील ने कोर्ट को भरोसा दिया था कि वे आगे जमानत बढ़ाने की कोई मांग नहीं करेंगे। हाई कोर्ट ने भी साफ कर दिया था कि भविष्य में मेडिकल कारणों से जमानत की अर्जी स्वीकार नहीं की जाएगी। इन सबके बावजूद आसाराम बापू ने फिर से जमानत बढ़ाने की अर्जी लगाई है। यह अर्जी उस अपील में लगाई गई है, जो उन्होंने अपनी सजा के खिलाफ दायर कर रखी है।

सॉलिसिटर जनरल बोले- ईडी ने 23000 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग की रकम वसूल कर पीड़ितों को लौटाई

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने करीब 23,000 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग की रकम वसूल की है और इसे वित्तीय अपराधों के शिकार पीड़ितों को वापस दिया है। यह जानकारी देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को दी। यह बयान सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष पीठ के सामने दिया गया, जिसमें मुख्य बीआर गवई और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा शामिल थे। यह सुनवाई 2 मई को दिए गए उस विवादित फैसले की समीक्षा याचिकाओं को लेकर हो रही थी, जिसमें भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) की परिसंपत्तियों को बेचने का आदेश दिया गया था और जेएस डब्ल्यू स्टील की समाधान योजना को खारिज कर दिया गया था।

हाईकोर्ट सजा निलंबित करने से पहले विचार करे; यौन उत्पीड़न के दोषी की जमानत को लेकर सुप्रीम निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट को सजा निलंबित करने से संबंधित आवेदन पर सुनवाई करते समय दोषसिद्धि को पलटने की उचित संभावना दर्शाने के लिए रिकॉर्ड पर मौजूद प्रथम दृष्टया स्पष्ट साक्ष्यों को परखना चाहिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने जमानत को दरकिनार करने और जमानत रद्द करने के बीच के अंतर पर भी प्रकाश डाला। पीठ ने कहा कि जमानत रद्द करना जमानत की शर्तों के उल्लंघन जैसी कुछ परिस्थितियों के कारण होता है, लेकिन जमानत को दरकिनार करना शर्त के उल्लंघन से नहीं, बल्कि जमानत देने वाले आदेश के औचित्य और वैधता से संबंधित है।

शीर्ष अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ एक नाबालिग लड़की के पिता की याचिका स्वीकार कर ली जिसमें पॉक्सो अधिनियम के तहत 14 वर्षीय लड़की के यौन उत्पीड़न के दोषी को जमानत दी गई थी। साथ ही उसकी अपील पर निपटारे तक उसकी 20 साल की जेल की सजा को निलंबित कर दिया गया था। पिता ने बताया कि दोषी ने केवल एक वर्ष और तीन महीने की कैद की सजा काटी थी और उसकी सजा निलंबित कर दी गई। इस मामले में राज्य सरकार ने हलफनामा दायर कर कहा कि दोषी पर 11 मामले दर्ज हैं। इनमें से पांच में उसे बरी कर दिया गया था, लेकिन छह अब भी लंबित हैं। अपने आदेश में हाईकोर्ट ने कहा था

कि चिकित्सा विशेषज्ञ को शव पर यौन उत्पीड़न का कोई निशान नहीं मिला, न ही कोई एफएसएल और न ही डीएनए रिपोर्ट रिकॉर्ड में उपलब्ध थी। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि घर में शौचालय उपलब्ध होने के बावजूद यह समझना थोड़ा मुश्किल है कि लड़की शौचालय के लिए बाहर जाएगी। चूंकि निकट भविष्य में इस अपील की सुनवाई और निपटारे की कोई संभावना नहीं है, इसलिए अपीलकर्ता के पास दोषसिद्धि और सजा के फैसले को चुनौती देने के लिए मजबूत आधार हैं। इस प्रकार, यह अपील के लंबित रहने तक सजा को निलंबित करने का एक उपयुक्त मामला है।

दोषी को आत्मसमर्पण करने का दिया निर्देश

हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए पीठ ने कहा, एफएसएल और डीएनए रिपोर्ट से स्वतंत्र और मामले की प्रकृति और प्रतिवादी दोषी के पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए और दोषसिद्धि के फैसले की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद हमें लगता है कि हाईकोर्ट द्वारा सजा को निलंबित करना उचित नहीं था। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट ने सीआरपीसी की धारा 389 के तहत निलंबन के मामले पर विचार करने के लिए किसी भी प्रासंगिक कारक पर ध्यान नहीं दिया है। कोर्ट ने दोषी को 30 अगस्त, 2025 तक आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया।

हिमाचल के शिमला में बादल फटा, बाढ़ आई

यूपी में नदियां उफान पर, 360 मकान ढहे; 2 दिन में 16 लोगों की मौत

नई दिल्ली/लखनऊ,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में 2 दिन से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शिमला जिले में बुधवार रात 10:15 बजे बादल फट गया। जिससे नोगली नाले में बाढ़ आ गई।बुधवार को मंडी के दवाड़ा में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन के फ्लाइओवर पर लैंडस्लाइड से दरारें आ गई हैं। प्रदेश में मंडी-मनाली, चंडीगढ़-शिमला फोरलेन समेत 533 सड़कें बंद हो गई हैं। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। प्रयागराज, वाराणसी समेत 24 जिलों के 1,245 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बारिश के चलते अब तक 360 मकान ढह चुके हैं। पिछले 2 दिन में बाढ़ और बारिश से जुड़े हादसों में 16 लोगों की मौत हुई है। बुधवार को फर्रुखाबाद के पंखियन गांव में गंगा नदी में एक मकान 10 सेकेंड में समा गया। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी उफान पर है। अयोध्या में सरयू नदी का जलस्तर डेंजर लेवल से 2 सेमी ऊपर पहुंच गया है। 48 गांवों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इधर, बिहार में गंगा और सोन नदी उफान पर हैं। राज्य के कई गांव जलमग्न हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। पटना सिटी में भद्रघाट और महावीर घाट में सर्विस लेन पर गंगा का पानी 2 फीट तक आ गया है।

सीआरपीएफ की गाड़ी फिसलकर 200 फीट गहरी खाई में गिरी

3 की मौत, 5 गंभीर; 21 जवान सवार थे, जम्मू के उधमपुर में हुआ हादसा

जम्मू-कश्मीर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह 10:30 बजे CRPF जवानों की बंकर गाड़ी 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 3 जवानों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। प्रशासन के मुताबिक, 5 जवानों की हालत गंभीर है। CRPF के अफसरों के अनुसार, गाड़ी जवानों के एक दल को ले जा रहा था, जो सड़क से फिसलकर खड़ी ढलान से नीचे खाई में जा गिरा। 3 शव घटनास्थल से बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कई घायल जवानों को गंभीर हालत में रेस्क्यू कर पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग नहीं रुकेगा,सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज की

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में जस्टिस वर्मा ने कैश कांड को लेकर उनके खिलाफ की गई कार्रवाई को चुनौती दी थी। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा ने उनके घर जले नकदी नोट मामले में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। संसद में महाभियोग का नोटिस जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद के दोनों सदनों में महाभियोग का नोटिस दिया जा चुका है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा के 152 सांसदों ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए।

विशेष प्रेस वार्ता में राहुल ने चुनाव आयोग को घेरा,वोट चोरी के आरोप लगाए

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर करारा हमला बोला है। उन्होंने विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि- महाराष्ट्र में 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए हैं। राहुल गांधी का आरोप है लोकसभा चुनाव 2024 और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के बीच इन मतदाताओं को जोड़ा गया है।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर राहुल गांधी हमलावर : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बीते कुछ समय से चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने महाराष्ट्र, कर्नाटक और कुछ अन्य जगहों की मतदाता सूची के आधार पर चौंकाने वाले दावे किए हैं। मतदाता सूची में जोड़े गए हजारों-लाखों नाम का उल्लेख करते हुए राहुल ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन न करते हुए वोट की चोरी की जा रही है। उन्होंने कई आंकड़ों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि आयोग की विश्वसनीयता संदेह के घेरे में है।

बिहार में एसआईआर को लेकर संसद के बाहर विपक्ष विरोध प्रदर्शन, सोनिया गांधी भी हुईं शामिल

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देशभर की सियासत में गर्माहट तेज है। आरोप-प्रत्यारोप भी अपने चरम पर है। इसी बीच गुरुवार को भी इंडिया गठबंधन

के नेता गुरुवार राज्यसभा में विपक्ष के नेता के दफ्तर में महत्वपूर्ण बैठक किया और इसके बाद विपक्षी सांसद संसद के परिसर के अंदर मकर द्वार के सामने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और सांसद सोनिया गांधी ने भी संसद के बाहर विपक्षी गठबंधन इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन में शामिल हुई।

क्या है विपक्ष का आरोप, जानें- बिहार में एसआईआर को लेकर विपक्षी सांसदों का आरोप है कि यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। दावा इस बात का भी किया जा रहा है कि कुछ इलाकों में जानबूझकर नाम हटाए जा रहे हैं। इससे जनता के वोटिंग अधिकारों पर असर पड़ सकता है। इसके साथ ही विपक्षी दलों ने इसे राजनीतिक मकसद से किया जा रहा काम भी बताया।

भाजपा के लिए की जा रही है वोटों की चोरी

राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की तरफ से जुटाए गए सबूतों का जिक्र करते हुए कहा कि वोटों की चोरी भाजपा के लिए की जा रही है। मतदाता सूची के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि आयोग इस मुद्दे पर जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में चंद महीने में लाखों मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े गए, जो काफी चिंताजनक है। राहुल का कहना है कि, शाम पांच बजे के बाद वोटर टर्नआउट का बढ़ना भी हैरान करने वाला है। इस दौरान राहुल गांधी ने सवाल पूछा- शाम पांच बजे के बाद वोटिंग क्यों बढ़े? चुनाव आयोग इसका जवाब दें। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वोटों की धांधली के मामले में चुनाव आयोग से सवाल पूछे हैं, लेकिन आयोग ने एक भी जवाब नहीं दिया।

उनके सारे झूठ उजागर हो रहे हैं, पीएम मोदी के व्यक्तिगत कीमत चुकाने वाले बयान पर उद्धव का वार

नई दिल्ली,एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर किसानों को लेकर दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दो से तीन साल तक जो किसान दिल्ली आना चाहते थे, उन्हें रोका गया। कुछ गरीब किसान मर गए। तब सरकार को उनकी याद नहीं आई। अब जब चुनाव नजदीक हैं, तो किसान फिर से याद आने लगे हैं। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि जब उनके पिता बालासाहेब ठाकरे भूख हड़ताल पर थे, तो उन्हें दिल्ली नहीं आने दिया गया।

राज ठाकरे और राहुल की मुलाकात पर क्या बोले उद्धव?

वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) प्रमुख राज ठाकरे भी दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे और इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होंगे, तो उद्धव ठाकरे ने दो टूक कहा, दोनों भाई काफी सक्षम हैं। हमें जो करना होगा, हम करेंगे। किसी तीसरे व्यक्ति की कोई जरूरत नहीं है।

प्रमोद का पागलपन, पत्नी ने बिहार जाने से किया इनकार तो हुआ बुरा अंजाम; पति ने आधी रात को हथौड़े से ले ली जान

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के नेबसराय इलाके में मंगलवार देर रात एक महिला के सिर पर हथौड़े (बिसोली) से वारकर उसकी हत्या कर दी गई। मृतका की शिनाख्त किरण झा (50) के रूप में हुई है। हत्या का आरोप महिला के ही पति पर है। दरअसल 10 साल से पत्नी से अलग रह रहा आरोपी प्रमोद कुमार झा उर्फ पप्पू पत्नी को वापस बिहार ले जाने की जिद कर रहा था।

सिर पर किए हथौड़े से कई वार : किरण यहां नौकरी करती थीं। उन्होंने पति के साथ जान से मना कर दिया। इस बात पर आरोपी ने योजना बनाकर सोते समय किरण की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने उनके सिर पर हथौड़े के कई वार किए। बाद में वह फरार हो गया। बुधवार तड़के पड़ोसियों ने उनके घर का दरवाजा खुला देखकर उनकी बहू को कॉल की।

सीसीटीवी में कैद हुआ आरोपी : इसके बाद हत्या का खुलासा हुआ। बाद में मामले की सूचना पुलिस को दी गई। खबर मिलते ही पुलिस के अलावा क्राइम टीम और एफएसएल मौके पर पहुंच गई। छानबीन के बाद हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। एक टीम को बिहार भेज दिया गया है। देर रात को आरोपी कपड़े बदलकर मौके से फरार होते हुए सीसीटीवी में कैद हुआ है।

देवली में रहती थी महिला : पुलिस के मुताबिक मूलरूप से दरभंगा, बिहार की रहने वाली किरण झा अपने परिवार के साथ बैंक कॉलोनी, देवली गांव में रहती थीं। इनके परिवार में बेटा दुर्गेश झा, उसकी पत्नी कोमल के अलावा तीन साल की बेटी है। इनकी एक बेटी रोमा है, जिसकी यह शादी कर चुकी हैं। वह पति के साथ एरिया में ही रहती हैं।

10 साल से पत्नी रही थी अकेली : किरण मरीजों की देखभाल का काम करती थीं। फिलहाल यह सैनिक फॉर्म की एक कोठी में मरीज की देखभाल के लिए जाती थीं। इनके पति प्रमोद को शराब पीने की आदत थी। वह कुछ काम भी नहीं करता था। इनके साथ होकर किरण खुद ही करीब 10 साल पहले पति से अलग हो गई थीं।

साधु के भेष में रहता था पति : इनका पति बिहार में ही साधु के भेष में रहकर इधर-उधर मांगकर गुजारा करता था। परिवार का कोई भी सदस्य प्रमोद से बातचीत नहीं करता था। इस बीच एक अगस्त को प्रमोद दिल्ली आ गया। वह घर पर आकर किरण से वापस बिहार चलने की जिद करने लगा। कई दिन तक यह सिलसिला चलता रहा। मना करने पर आरोपी नाराज हो गया।

पड़ोसी उठे तो पता चला हत्याकांड के बारे में : मंगलवार रात को घर के सभी सदस्य सोने चले गए। इस बीच आरोपी ने हथौड़े से सोते समय किरण के सिर पर कई वार किए। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गया। बुधवार तड़के करीब 3.40 बजे पड़ोसी पानी की मोटर चलाने के लिए उठे तो उन्होंने किरण का दरवाजा खुला देखा तो हत्याकांड का पता चला। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। तीन माह पूर्व किरण के बेटे दुर्गेश की एक निजी बैंक में नौकरी लगी थी। वह अकेला ही बिहार जाकर नौकरी कर रहा था। दिल्ली में दुर्गेश की मां किरण, उसकी पत्नी कोमल व बच्ची थी।

एम्स कर्मियों ने मुख्य सुरक्षा अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोला

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स की अलग-अलग यूनियन ने मुख्य सुरक्षा अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस संबंध में एम्स नर्सेज यूनियन, कर्मचारी यूनियन एम्स और ऑफिसर्स एसोसिएशन ऑफ एम्स ने संयुक्त तौर पर एम्स निदेशक को पत्र लिखा है। पत्र में सुरक्षा अधिकारी को वापस भेजने और उसकी जगह किसी सक्षम अधिकारी को नियुक्त करने की मांग की गई। यूनियन ने पत्र में सुरक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कई आरोप लगाए है। साथ ही अप्रभावी, गैर-पेशेवर और सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। इसमें सुरक्षा कर्मी पर उच्च प्राधिकारियों के आदेशों की अवहेलना, असंरचनात्मक व्यवहार, निजी दौरे के लिए सुरक्षाकर्मियों का दुरुपयोग, कैंपस में रहने वाले कर्मचारियों के परिवारों को प्रताड़ित करने, गुप्त कैमरे का इस्तेमाल करने, स्वास्थ्यकर्मियों के साथ होने वाली हिंसा में एफआईआर दर्ज न करने, सुरक्षा में खामियां सहित कई दूसरे आरोप पत्र में शामिल है।

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में 90 प्रतिशत छात्रों को प्लेसमेंट अकादमिक गुणवत्ता का प्रमाण: डॉ. संजय वर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डीएसजे) में इस साल 90 प्रतिशत छात्रों को प्लेसमेंट मिलने पर डीएसजे के ओएसडी डॉ. संजय वर्मा ने खुशी जताई। उन्होंने इसे संस्थान की अकादमिक गुणवत्ता और मीडिया इंडस्ट्री में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण बताया है। डॉ. वर्मा ने कहा कि इस बार कई नामी मीडिया संस्थान जैसे इनफॉर्मिस्ट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, जी स्टूडियोज, एनडीटीवी गैजेट्स 360, न्यूज नेशन, अमर उजाला और बजरबट्टू कंटेंट वाइब्स प्राइवेट लिमिटेड ने डीएसजे के छात्रों को रिपोर्टर, रिसर्च एक्जीक्यूटिव, एंकर, कंटेंट राइटर, एडिटोरियल ट्रेनी और जूनियर प्रोड्यूसर जैसे अलग-अलग पदों के लिए चुना है। इसके अलावा रिपब्लिक वर्ल्ड, क्रिएटिव हब, व्हाइट टाइगर फिल्मस और स्वदेश 24×7 जैसे संस्थानों में भी छात्रों का चयन होने वाला है। उन्होंने कहा कि यह कामयाबी सिर्फ प्लेसमेंट आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस लगातार मेहनत और सोच का नतीजा है जिसके तहत डीएसजे ने पढ़ाई को इंडस्ट्री से जोड़ने की दिशा में काम किया है। पढ़ाई से करियर तक के सफर में डीएसजे ने यह साबित कर दिया है कि वह देश के प्रमुख मीडिया शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है। उल्लेखनीय है कि डीएसजे के ओएसडी नियुक्त किए गए अंग्रेजी विभाग के डॉ. संजय वर्मा प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में काफी अनुभव रखते हैं।

अवैध रूप से रह रहे छह नाइजीरियन नागरिक पकड़े

नई दिल्ली,एजेंसी। बाहरी जिला के निहाल विहार इलाके में अवैध रूप से रह रहे 6 नाइजीरियाई नागरिकों को पुलिस ने चार अलग-अलग ऑपरेशन के बाद दबोचा है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नोसा प्रोमाइस, माइकल, हैरिसन, नोगोजी इजाइक, ओक नमादी और इवेंस चिका के रूप में हुई है। सभी आरोपी वीजा की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे थे। इनके पकड़े जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने एफआरआरओ को सूचना दे दी है। इनको वापस इनके देश भेजने की तैयारी की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि एक अगस्त की रात को कोलकाता पुलिस ने संयुक्त रूप से शिव विहार, निहाल विहार में छापा मारकर पांच नाइजीरियाई नागरिकों को पकड़ा। धोखाधड़ी के मामले में कोलकाता पुलिस नाइजीरियाई की तलाश में आई थी। तीन को वह गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। बाकी दो से उनके वीजा के बारे में पूछा गया तो वह जवाब नहीं दे पाए। पुलिस ने माइकल और हैरिसन को दबोच लिया। दूसरे ऑपरेशन में निहाल विहार पुलिस ने चार अगस्त को शिव विहार चंदर विहार में नगोजी और ओक को दबोचा। तीसरे ऑपरेशन में चार अगस्त को ही विदेशी सेल ने चंदर विहार से नोसा को दबोचा। पांच अगस्त को चंदर विहार से ही इवेंस चिका को पकड़ा। इस बीच एक अगस्त को पिता प्रमोद भी आ गया था। दुर्गेश बार-बार अपने पिता से कह रहा था कि वह यहां क्यों आए हैं। मंगलवार को दिन में दुर्गेश का फोन पर पिता से झगड़ा भी हो गया था। इस बात पर आरोपी ने उससे कहा था कि उसका एक काम बाकी है, वह उसे पूरा करते ही निकल जाएगा। उस समय दुर्गेश पिता के इरादे को समझ नहीं पाया। जब उसे मां की हत्या का पता चला तो वह अफसोस करता था। बुधवार शाम को वह बिहार से दिल्ली लौट आया। आरोपी प्रमोद ने मंगलवार दिन में अपनी बहू कोमल से कहा था कि वह अंदर से कुंडी लगाकर सोया करे। बहू को भी इसका अंदाजा नहीं था कि वह ऐसा क्यों कह रहा है।

नकली दवा बनाकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश सरगना समेत छह दबोचे, उत्तर भारत में फैला था गोरखधंधा

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने जीवन रक्षक नकली दवा बनाकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सरगना समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद आलम, मोहम्मद सलीम, परमानंद, मोहम्मद जुवैर, प्रेम शंकर प्रजापति और राजेश मिश्रा के रूप में हुई है। यह रैकेट हरियाणा यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ है। नकली दवाइओं के निर्माण और पैकेजिंग के कारखाने जींद, हरियाणा और बद्दी, हिमाचल प्रदेश में लगे हुए हैं। इनके कब्जे से जॉनसन एंड जॉनसन, जीएसके जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की नकली दवाएं भारी मात्रा में बरामद की गई हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया शाखा में तैनात इंस्पेक्टर पवन कुमार की टीम को खुफिया जानकारी मिली थी। टीम ने जीएसके और जॉनसन एंड जॉनसन के कानूनी प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ कोर्डिनेशन किया। सूचना के बाद पुलिस टीम ने एचपी सीएनजी पेट्रोल पंप, श्यामनाथ मार्ग, सिविल लाइंस में 30 जुलाई को घेराबंदी की। पुलिस टीम यहां से वैगनआर कार में सवार उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी मोहम्मद आलम और मोहम्मद सलीम कोनकली दवाइयां ले जाते पकड़ा। जॉनसन एंड जॉनसन और जीएसके के प्रतिनिधियों ने पैकेजिंग और स्टैम्पिंग कंपनी के मानकों के अनुरूप नहीं होने की पुष्टि की। प्रयोगशाला परीक्षणों ने भी दवाओं के नकली होने की पुष्टि की। जांच में पता चला कि सिंडिकेट सुसंगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता था। इसमें सोर्सिंग, निर्माण, वितरण और खुदरा व्यापार शामिल था।

फेसबुक से करते थे संपर्क : नकली दवाओं के कारोबार से शुरुआती संपर्क अक्सर फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शुरू होता था। आरोपी मोहम्मद आलम और मोहम्मद जुवैर को पोस्ट और संदेशों के माध्यम से नकली दवा आपूर्तिकर्ताओं से परिचित कराया गया था। दवाइयां महराजगंज के अरुण, करनाल के कोमल, गोरखपुर के सुमित और अन्य आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त की जाती थीं।

सरकारी स्कूलों के नन्हे बच्चों ने मुख्यमंत्री को बांधी राखी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को सरकारी स्कूलों के नन्हे बच्चों ने मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में गुरुवार को राखी बांधी। मुख्यमंत्री जनसेवा सदन आज कुछ अलग ही रंग में रहा और पूरा सदन बच्चों की खिलखिलाती हंसी से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि सरकारी स्कूलों के नन्हे बच्चे जब रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखियां लेकर आए तो यह रस्म हमारे रिश्ते की नई परिभाषा रही। उनके छोटे-छोटे हाथों से बांधे गए धागे एक ऐसे कल का वादा थे, जहां हर बच्चा बिना डर, बिना भेद, अपने सपनों की उड़ान भर सके। उन्होंने कहा कि बच्चों की खिलखिलाती हंसी, मासूम आंखों की चमक यही तो है हमारे हर निर्णय का मूल, हमारी हर नीति का आधार। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को ढेर सारा प्यार देते हुए कहा कि उस भरोसे को मेरा प्रणाम जिसे आपने आज मेरी कलाई पर बांधा दिया। उल्लेखनीय है कि देशभर में नौ अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा।

अमेरिका 32.5 करोड़ डॉलर की रूसी सुपरयाट अमाडिया की कर रहा नीलामी, यूक्रेन पर आक्रमण के बाद की थी जब्त

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक बहुत ही महंगी लग्जरी सुपरयाट अमाडिया की नीलामी कर रहा है, जिसकी कीमत 32.5 करोड़ डॉलर है। यह सुपरयाट रूस की है। अमेरिका ने इसे यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद जब्त कर लिया था। यह पहली रूसी सुपरयाट है, जिसे अमेरिका अब बेच रहा है। यह नीलामी 10 सितंबर तक चलेगी। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध समाप्त करने का दबाव बना रहे हैं। अमेरिका ने कहा है कि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर रूस के अमीर लोगों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, जिनमें से कुछ राष्ट्रपति पुतिन के करीबी हैं और उनकी सुपरयाट जब्त कर ली गई हैं। अमेरिका चाहता है कि वे पुतिन को युद्ध रोकने के लिए मजबूर करें।

348 फीट लंबी याट में आठ राजकीय कक्ष : रूसी सुपरयाट अमाडिया को अमेरिका ने तीन साल पहले जब्त किया था। यह याट वर्तमान में सैन डिएगो में खड़ी है, जो 348 फीट लंबी है। इस याट का निर्माण जर्मन कंपनी लुर्सेन ने 2017 में विशेष रूप से किया था। इस सुपरयाट को फ्रांस्वा जुरेट्टी ने डिजाइन किया था। इसका अंदर का हिस्सा संगमरमर का है। इस याट में आठ राजकीय कक्ष, एक ब्यूटी सैलून, एक स्पा, एक जिम, एक हेलीपैड, एक स्वीमिंग पूल और एक लिफ्ट है। इसमें 16 मेहमानों और 36 चालक दल के सदस्यों के रहने की व्यस्था है।

याट का असली मालिक कौन : अमेरिका द्वारा जब्त की गई अमाडिया का असली मालिक कौन है, यह अभी साफ नहीं है। यह केमैन द्वीप में स्थित मिलमारिन इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर्ड है। अमेरिका का कहना है कि याट के असली मालिक अर्थशास्त्री और पूर्व रूसी राजनेता सुलेमान केरीमोव हैं, जिन पर 2018 से अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। लेकिन सरकारी नियंत्रण वाली रूसी तेल और गैस कंपनी रोसनेफ्ट ने का दावा कर रहे हैं।

आपको और भी बहुत कुछ देखने को मिलेगा, रूस से तेल खरीदना जारी रखने पर ट्रंप ने फिर दी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। यह टैरिफ रूस से तेल खरीदना जारी रखने पर जुर्माने के तौर पर लगाया गया है। वहीं, अब एक बार फिर उन्होंने बड़ा बयान दिया है। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से वार्ता करते हुए ट्रंप ने रूस से लगातार तेल खरीद को लेकर और अधिक टैरिफ लगाने की चेतावनी दी। दरअसल, जब ट्रंप से पूछा गया कि भारतीय अधिकारियों का कहना है चीन जैसे अन्य देश भी रूसी तेल खरीद रहे हैं। आप इन अतिरिक्त प्रतिबंधों के लिए भारत को ही क्यों जिम्मेदार ठहरा रहे हैं इस पर ट्रंप ने जवाब देते हुए कहा कि अभी तो सिर्फ आठ घंटे ही हुए हैं। देखते हैं क्या होता है। आपको और भी बहुत कुछ देखने को मिलेगा। आपको कई अतिरिक्त प्रतिबंध देखने को मिलेंगे। आगे जब उनसे पूछा गया कि भारत पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ की तरह ही क्या उनके पास चीन पर अधिक टैरिफ लागू करने की कोई समान योजना है इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ऐसा हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसे कैसे करते हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि मुझे नहीं पता, मैं अभी आपको नहीं बता सकता। लेकिन हमने भारत के साथ ऐसा किया है। हम संभवतः कुछ अन्य देशों के साथ भी ऐसा कर रहे हैं, जिनमें से एक चीन हो सकता है।

भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफः इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। यह टैरिफ रूस से तेल खरीदना जारी रखने पर जुर्माने के तौर पर लगाया गया है। अतिरिक्त टैरिफ के बाद कुछ छूट प्राप्त वस्तुओं को छोड़कर, भारतीय वस्तुओं पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत होगा। ट्रंप ने अपने प्रारंभिक टैरिफ लागू होने से 14 घंटे से भी कम समय पहले अतिरिक्त टैरिफ लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। 30 जुलाई को ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान किया था।

बेटी ने तवे से पीटकर उतार दिया पिता को मौत के घाट, परिजन पकड़ पाते उससे पहले किए कई वार

दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले के मानसरोवर पार्क इलाके में बुधवार दोपहर युवती ने अपने ही पिता को रोटी पकाने वाले तवे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। मृतक की शिनाख्त टेकचंद गोयल (55) के रूप में हुई है। दरअसल बेटी अन्नू (32) की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। पिता बेटी से दवाई खाने के लिए कह रहा था। इससे अचानक अन्नू आग बबूला हो गई और उसने पास रखा तवा उठाकर पिता पर हमला कर दिया। जब तक बाकी परिजन उसे पकड़ पाते उसने पिता के सिर पर कई वार कर दिए। पिता को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां टेकचंद को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने अन्नू को हिरासत में ले लिया है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 3.56 बजे वारदात की सूचना मिली। अस्पताल में मौजूद टेकचंद के बेटे से पुलिस ने पूछताछ की। शिवम ने पुलिस को बताया कि उनकी बहन मानसिक रूप से बीमार है। पिता उसको दवाई देने का प्रयास कर रहे थे। उस समय उसकी मां बाला देवी और शिवम की पत्नी प्रिया भी वहां मौजूद थी। अचानक अन्नू ने पिता पर तवे से हमला कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अन्नू के इलाज के पेपर भी मांगे गए हैं। इसके अलावा टेकचंद की पत्नी और बेटे शिवम की पत्नी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बाकी रिश्तेदारों और पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के डगमगाने के बीच 60 से अधिक देशों पर ट्रंप का टैरिफ प्रभावी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से महीनों से जारी उठापटक का आर्थिक असर साफ दिख रहा है। देश की डगमगा रही अर्थव्यवस्था के बीच 60 से अधिक देशों और यूरोपीय संघ पर आयात पर राष्ट्रपति की निर्धारित की गई टैरिफ (शुल्क) दर आज से प्रभावी हो गई। इसी के साथ भारत से आयात पर घोषित 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण भी प्रभावी हो गया। सीबीएस न्यूज के अनुसार, व्हाइट हाउस ने कहा कि मध्यरात्रि (पूर्वी समयानुसार) के ठीक बाद से 60 से ज्यादा देशों और यूरोपीय संघ के उत्पादों पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक की टैरिफ दरें लागू हो गईं। यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया के उत्पादों पर 15 प्रतिशत कर लगाया गया है। ताइवान, वियतनाम और बांग्लादेश से आयात पर 20 प्रतिशत कर प्रभावी हो गया। ट्रंप को उम्मीद है कि यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश करेंगे। राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस की इस घोषणा के फौरन बाद ट्रुथ सोशल पर लिखा, आधी रात हो गई है!!! अरबों डॉलर के टैरिफ अब संयुक्त राज्य अमेरिका में आ रहे हैं! व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि भारत को 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश में लगभग 60 देशों के लिए शुल्क दरों की घोषणा की थी। इस 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा ट्रंप ने कल भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर और 25 प्रतिशत शुल्क और लगा दिया। इसके बाद भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्क में से एक है। यह अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप और व्हाइट हाउस को विश्वास है कि इस टैरिफ की शुरुआत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा के बारे में स्पष्टता प्रदान करेगी। प्रशासन का अमेरिका को खुद पर लगे जख्मों के संकेत मिल रहे हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में राष्ट्रपति के टैरिफ की प्रारंभिक शुरुआत के साथ अमेरिकी अर्थव्यवस्था में गिरावट आई। इससे बाजार में हलचल मच गई। इसके बाद बातचीत का दौर चला और ट्रम्प ने 07 अगस्त से सार्वभौमिक टैरिफ लागू करने का अंतिम फैसला लिया। डायनेमिक इकोनॉमिक स्ट्रैटेजी के सीईओ जॉन सिल्विया ने कहा कि अप्रैल के बाद आर्थिक रिपोर्टों से पता चला कि भर्तियां रुक गई हैं। मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया और प्रमुख बाजारों में गिरावट शुरू हो गई। सिल्विया ने एक विश्लेषण नोट में कहा, कम उत्पादक अर्थव्यवस्था में कम श्रमिकों की आवश्यकता होती है। लेकिन के वास्तविक वेतन को कम करती हैं। अर्थव्यवस्था कम उत्पादक हो गई है, और कंपनियां पहले जैसा वास्तविक वेतन नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि टैरिफ के असल प्रभाव का असर दिखने में वर्षों लग सकते हैं। ट्रंप ने टैरिफ को लगातार व्यापार घाटे को कम करने के एक उपाय के रूप में देखा है। लेकिन आयातकों ने करों के लागू होने से पहले ही अधिक वस्तुओं का आयात करके करों से बचने की कोशिश की है। परिणामस्वरूप, वर्ष की पहली छमाही में 582.7 बिलियन डॉलर का व्यापार असंतुलन 2024 की तुलना में 38 फीसद अधिक रहा।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था।

सीएम ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के पात्र हितग्राहियों के खाते में रक्षाबंधन शगुन के साथ राशि अंतरित की

जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं के खाते में 30 करोड़ 98 लाख से अधिक की राशि डाली गई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1.26 करोड़ लाड़ली बहनों को रूपये 1859 करोड़ की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से 28 लाख से अधिक बहनों को सिलेण्डर रिफिलिंग के लिए 43.90 करोड़ रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत सीधी जिले के 02 लाख 9 हजार 762 पात्र महिलाओं के खाते में प्रति महिला एक हजार 250 रूपये एवं अतिरिक्त रक्षाबंधन शगुन के 250 रूपये के मान से 30 करोड़ 98 लाख 17 हजार 100 रूपये की राशि अंतरित की गई। इसके साथ ही उज्ज्वला योजना अंतर्गत गैस रिफिल के लिए सीधी जिले के 46573 हितग्राहियों को 57 लाख 56 हजार 414 रूपये की राशि अंतरित की गई। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारी तथा हितग्राहियों द्वारा सहभागिता की गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत जिले में 02 लाख 9 हजार 762 पात्र हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अन्तर्गत जनपद पंचायत कुसमी में 17 हजार 404 महिलाओं, जनपद पंचायत मझौली में 29 हजार 215, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में 44 हजार 125, जनपद पंचायत सीधी में 54 हजार 615 तथा जनपद पंचायत सिहावल में 51 हजार 584 महिलाओं के खाते में 1250 रूपये एवं अतिरिक्त रक्षाबंधन शगुन के 250 रूपये के मान से राशि अंतरित की गई। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के साथ ही नगरीय क्षेत्र की महिलाओं को भी लाभांवित किया गया। इसमें नगर पालिक सीधी में 06 हजार 144, नगर परिषद चुरहट में 02 हजार 433, नगर परिषद मझौली में 02 हजार 96 तथा नगर परिषद रामपुर नैकिन में 02 हजार 146 महिलाओं के खाते में 1250 रूपये एवं अतिरिक्त रक्षाबंधन शगुन के 250 रूपये प्रत्येक महिला के मान से राशि अंतरित की गई।

होटल मालिक के भाई पर डंडे से हमला, सिर में आई गंभीर चोट; गाड़ी पार्क करने से रोकने पर हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के विंध्यनगर थाना क्षेत्र में पार्किंग विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सागर होटल के बाहर 5 अगस्त की रात लगभग 8 बजे हुई इस घटना का सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है।होटल संचालक नरेश शाह के अनुसार, उनके 52 वर्षीय भाई सुरेश शाह ने जब कुछ लोगों को होटल की पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने से रोका, तो उन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि उपद्रवी पहले होटल के बाहर मारपीट करते हैं और फिर अंदर घुसकर तोड़फोड़ करते हैं।

नरेश शाह ने बताया कि संदीप शुक्ला नामक व्यक्ति मुख्य आरोपी है, जिसने जबरदस्ती पार्किंग में गाड़ी खड़ी करनी चाही थी। मना करने पर उसने सुरेश के सिर पर डंडे से प्रहार किया। सुरेश को गंभीर चोटें आई हैं और उनका ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार सीटी स्कैन में सिर पर गंभीर चोट का पता चला है। होटल संचालक का आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद भी छोड़ दिया है और उनका बचाव कर रही है। इस संबंध में विंध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी का कहना है कि दोनों पक्षों की ओर से मारपीट की गई है और दोनों तरफ से काउंटर मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पुलिस डॉक्टर की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। अधिकारी का कहना है कि अगर रिपोर्ट में गंभीर चोट की पुष्टि होती है, तो धाराएं बढ़ाई जाएंगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। साथ ही, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

देवसर तहसील का कम्प्यूटर ऑपरेटर रिश्वत लेते गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। रीवा लोकायुक्त की टीम ने सिंगरौली जिले के देवसर तहसील में छापेमारी कर कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रेमलाल सिंह को 2000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ऑपरेटर ने किसान से जमीन के बंटवारे का आदेश बनवाने के एवज में यह रिश्वत मांगी थी। लोकायुक्त विभाग के इंस्पेक्टर संदीप भदौरिया ने बताया कि 30 जुलाई को कटौली गांव के किसान कमल प्रसाद मिश्र ने शिकायत दर्ज कराई थी। किसान ने बताया था कि ऑपरेटर उनकी जमीन के बंटवारे का आदेश पारित कराने के लिए 4000 रुपए की रिश्वत मांग रहा है।

शिकायत की जांच की गई और जब यह प्राथमिक रूप से सही पाई गई तो किसान को पहली किस्त के रूप में 2000 रुपए देने के लिए तैयार किया गया। जैसे ही किसान ने ऑपरेटर को पैसे हाथ में दिए लोकायुक्त टीम ने उसे रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। कमल प्रसाद ने बताया कि उनके भाइयों के बीच तीन एकड़ जमीन का बंटवारा हुआ था। इसी का आदेश बनवाने के लिए वह 6 महीने से परेशान थे।

दलित युवती से गैंगरेप मामले में शिवसेना का विरोध

मुख्यमंत्री से दोषियों की संपत्ति जब्ती और सार्वजनिक सजा की मांग की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बरिगवां जंगल में दलित युवती के साथ हुए सामूहिक रेप की घटना से आक्रोश है। शुक्रवार को शिवसेना की जिला इकाई ने सीधी जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम चार सूत्रीय ज्ञापन अपर कलेक्टर को सौंपा।

आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग: शिवसेना ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द न्याय नहीं मिला, तो बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने कहा कि इस अपराध ने मानवता को शर्मसार किया है। आरोपियों को किसी भी हालत में बख्शा न जाए। यह कानून व्यवस्था की विफलता है। यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली घटना है। उन्होंने समाज के तथाकथित जातिगत ठेकेदारों को भी लताड़ा। उन्होंने कहा कि फालतू मुद्दों पर बहस करने वालों को अब न्याय की लड़ाई में सामने आना चाहिए।

आरोपियों की संपत्ति जब्त करने की भी मांग: ज्ञापन में चार मुख्य मांगें रखी गईं हैं। पहली, दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी कर त्वरित न्याय दिलाया जाए। दूसरी, आरोपियों की संपत्ति जब्त कर उन्हें कड़ा आर्थिक दंड दिया जाए। तीसरी, सार्वजनिक सजा देकर समाज में कड़ा संदेश दिया जाए। चौथी, पीड़िता को सुरक्षा, मानसिक परामर्श और आर्थिक सहायता शीघ्र मुहैया कराई जाए।

शिवसेना ने आंदोलन की दी चेतावनी: विवेक पांडे ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो शिवसेना सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। इस दौरान संभाग उपाध्यक्ष प्रदीप विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष बेनाम सिंह बघेल उर्फ भोले के साथ कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेशनल पावर लिफ्टिंग में देवेंद्र मिश्रा ने जीता ब्रॉन्ज, 190 किलोग्राम वेट कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल किया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। पावर लिफ्टर देवेंद्र मिश्रा ने केरला में हुई मास्टर नेशनल पावर लिफ्टिंग कॉम्पिटीशन में दो कांस्य पदक जीते हैं। यह प्रतियोगिता 2 से 7 अगस्त के बीच आयोजित की गई थी। इसमें देशभर से कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

190 किलोग्राम वेट कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल किया: देवेंद्र ने स्क्वॉट प्रतियोगिता में 190 किलोग्राम वजन उठाकर तीसरा स्थान हासिल किया। बेंच प्रेस में उन्होंने 142.5 किलोग्राम वजन उठाकर एक और कांस्य पदक अपने नाम किया। देवेंद्र यूनिवर्सल जिम के संचालक भी हैं। उनकी इस उपलब्धि से मध्यप्रदेश का नाम रोशन हुआ है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीते हैं कई पदक: देवेंद्र ने पिछले सालों में भी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए एक अहम पल है। इसलिए काफी मेहनत की थी। यह सफलता मेरे और मेरे प्रशिक्षकों के लिए उपलब्धि है। देवेंद्र की कोचिंग में अब तक 10 से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। जिला पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तकनीकी निर्देशक पवन गर्ग ने कहा कि देवेंद्र की सफलता उनकी मेहनत का परिणाम है। एसोसिएशन के सहसचिव प्रमोद विश्वकर्मा ने भी देवेंद्र को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ये पदक न केवल देवेंद्र की मेहनत का परिणाम हैं। ये शहडोल समेत मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा भी हैं।

राजरानी सेवा संस्थान में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

मीडिया ऑडीटर, रीवा/ सतना (निप्र)। राष्ट्रीय न्यास (नेशनल ट्रस्ट), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से पंजीकृत राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, छत्रपति नगर, रीवा सतना में भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को राखी बांधी और मिठाई खिलाकर भाई बहन के पवित्र बंधन एवं रेशम के धागे का महापर्व रक्षाबंधन पारंपरिक सामाजिक मूल्यों एवं भारतीय संस्कृति की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आपसी प्रेम, सौहार्द, सहयोग और भाईचारे की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस आयोजन में संस्थान की संस्थापिका रानी सिंह, अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव संजय सिंह, संचालिका दीप्ति सिंह परिहार, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. दिलीप दीपांकर, विशेष शिक्षिकाएं नीता रजक, साधना पांडे, पूनम मिश्रा, रंजना सिंह, तरन्नुम निशा, निर्मला सिंह, राजेश सिंह, सागर चमकेल, तथा अनेक अभिभावक और दिव्यांग छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव संजय सिंह ने बच्चों को बताया कि श्रावण मास को पर्वों का महीना माना जाता है।

जिले में राजस्व अधिकारियों की हड़ताल जारी

तहसीलदारों का न्यायिक-विभाजन पर विरोध; भटकते रहे किसान और पक्षकार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में राजस्व अधिकारियों की हड़ताल से प्रशासनिक कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। तहसीलदार और नायब तहसीलदार न्यायिक और गैर न्यायिक कार्यों के विवादास्पद विभाजन के विरोध में लगातार दूसरे दिन भी कलेक्ट्रेट स्थित करुणा भवन में धरने पर बैठे हैं। तहसीलों में पटवारी, आरआई और कार्यालयीन कामकाज बंद होने से किसानों को नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे कार्यों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधिवक्ता और पक्षकार भी तहसीलों में भटक रहे हैं।

12 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट: हड़ताली राजस्व अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने पहले ही न्यायिक और गैर न्यायिक वर्गों के विभाजन का विरोध किया था। इसके बाद यह योजना स्थगित कर दी गई थी। लेकिन अब सरकार ने इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 12 जिलों में फिर से लागू करना शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, धार, भिंड, खरगोन, बालाघाट, मंदसौर, देवास, कटनी, मंडला और रीवा सहित अन्य जिलों में यह योजना बिना पर्याप्त संसाधन और स्टाफ के लागू की गई है।

टॉप 20 ग्राम पंचायतें सम्मानित, परसोंहर नंबर वन

11 हजार रुपए का मिला पुरस्कार, सरपंच-सचिवों को भी मिला सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा समग्र विकास की दिशा में बेहतर काम करने वाली ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया गया। जिला पंचायत के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिले की टॉप 20 ग्राम पंचायतों को पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार 11,000 रुपए देवसर विकासखंड की परसोंहर ग्राम पंचायत को मिला। दूसरा पुरस्कार 7,100 रुपए देवसर विकासखंड की ही ग्राम पंचायत सरौंधा को दिया गया। तीसरे स्थान पर रही ग्राम पंचायत गिधेर को 5,100 रुपए की राशि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सोनम सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नागेश सिंह, जिला पंचायत के सदस्य और सम्मानित होने वाले ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव उपस्थित रहे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र सिंह नागेश ने बताया कि यह भारत सरकार और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तय किए गए 9 बिंदुओं को पूरा करने वाली ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करने की योजना है। इसका उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर संपूर्ण विकास की अवधारणा को पूरा करना है।

उन्होंने कहा कि इससे ग्राम पंचायतों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होगी। इससे उन ग्राम पंचायतों में भी बेहतर काम करने की ललक बढ़ेगी जहां विकास की गति धीमी है। नागेश ने आगे बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों ने अच्छा काम किया है। लेकिन कुछ कमियों के कारण वे टॉप 20 में शामिल नहीं हो पाईं। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में वे ग्राम पंचायतें भी जगह बना पाएंगी और पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगी। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर देवेंदर द्विवेदी, विषय विशेषज्ञ एसएआरडी जबलपुर से त्रिलोचन सिंह, डीपीएम अवनीश पाठक, अशोक सिंह सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद रहे।

कलेक्टर निवास के सामने स्कूटी की भिड़ंत, 2 युवतियों ने सड़क पर की मारपीट

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। कोतवाली थाना क्षेत्र में कलेक्टर निवास के सामने दो स्कूटी की टक्कर हो गई। भिड़ंत के बाद दोनों युवतियां आपस में भिड़ गईं और मारपीट करने लगीं। इस घटना के कारण मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटनास्थल पर मौजूद अधिकांश लोग इस घटना को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड करते रहे। कुछ लोगों ने युवतियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे एक-दूसरे को पकड़कर खींचती रहीं। तकरीबन आधे घंटे तक उनका झगड़ा जारी रखा। लगभग आधे घंटे यह हंगामा चला। इससे सड़क पर वाहनों का आवागमन बाधित हुआ और जाम की स्थिति बन गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह घटना पहले से ही भीड़-भाड़ वाली जगह पर हुई थी, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

जनसुनवाई से निराश होकर कलेक्ट्रेट में भगवान कल्कि की मूर्ति के साथ धरने पर बैठा किसान

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ एक किसान ने अनोखा विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। ब्यौहारी निवासी राधा किशन सिंह भगवान कल्कि की प्रतिमा के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार दोपहर से धरने पर बैठ गए हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होगा, वे रोज इसी तरह धरने पर बैठते रहेंगे। राधा किशन ने बताया कि उन्होंने 1 अक्टूबर 2024 को कलेक्टर की जनसुनवाई में अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने 5 अगस्त को दोबारा आवेदन दिया, फिर भी कोई हल नहीं निकला।

पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा कर रास्ता बंद किया: उनका संघर्ष तब शुरू हुआ जब उनकी पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा हो गया। इसके कारण वे अपनी जमीन पर फसल भी नहीं बो पा रहे हैं। राधा किशन ने बताया कि उनकी जमीन ब्यौहारी के ग्राम चंदोला में है। राजेंद्र पांडेय और अन्य लोगों ने उनकी जमीन पर जाने का रास्ता बंद कर दिया है।

प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई साप्ताहिक जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना था। लेकिन शहडोल जिले में यह कार्यक्रम प्रभावी नहीं रह गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन की उपेक्षा के कारण उन्हें न्याय की उम्मीद कहीं और ढूंढनी पड़ रही है।

राधा किशन सिंह का कहना है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होगा, वे रोज कलेक्ट्रेट आकर धरने पर बैठेंगे। उनका यह अनोखा विरोध प्रदर्शन दर्शाता है कि जब प्रशासनिक तंत्र विफल होता है, तब आम नागरिक न्याय पाने के लिए किस प्रकार संघर्ष करते हैं।

संपादकीय

दर्द या पश्चाताप के आंसू

प्रलय के बीच गलतियों में डूबता मंथन, सिर्फ पहाड़ को कोस कर अपने पाप नहीं छुपा सकता। दोष की एक लंबी फेहरिस्त और समय के चाबुक से पहाड़ की नंगी पीठ के घाव बता रहे हैं कि फिर से खाके सजाने पड़ेंगे या जीने की मुनादी नहीं, जीने के पांव छुपाने पड़ेंगे। कम से कम शर्तें तो यही हैं कि पहाड़ अब अपनी ही कंद्राओं में छुप जाए और यहां रहने वाले आदिमानव हो जाएं। बहरहाल हिमाचल के बाद उत्तरकाशी का दर्द और पश्चाताप के आंसू लिए पहाड़ अपने भीतर पाप के ऐसे घड़े फोड़ रहा है, जो उसके हैं ही नहीं। मात्र 34 सेकेंड में उत्तराखंड का एक खुशहाल गांव धराली का अस्तित्व मिट गया। इस चीखोपुकार में किसी का घर, किसी का मोहल्ला गया। आंसुओं के उस सैलाब में किसी का बेटा, किसी की मां और किसी के सारे रिश्ते बह गए। बची है प्रायश्चित की आंखें, चंद खंडहर, सिसकती यादें और विध्वंस की छुरी से बच गए और कुछ बाढ़ के रास्ते में नहीं आए। हम केंचुए से नहीं पूछ सकते, उसकी रीढ़ क्यों नहीं और न ही बारिश से पूछ सकते, उससे मर्यादा के सवाल। वह आएगी, पहाड़ पर होते हुए ही आएगी। उसके दामन में बादलों का डेरा, उजड़ती धूप में दिन भी अकेला। कमोबेश पहाड़ का जीवन भी बरसात में अकेला होने के खौफ में, इन दिनों नागरिक समाज से सरकार तक भयावह परिस्थिति में है। हमने यह भी देखा कि जो बादल उत्तराखंड में आए, वे रिश्तेदारी में हिमाचली ही थे, लेकिन केंद्र ने अपने रिश्ते बदल दिए। रहम की पट्टियां वहां जल्दी पहुंच गईं जहां चौबारे सियासत के मजबूत पायों पे थे। अब राहत की चपाती पर भी सियासत लिखी जाए, तो कौन अपना चेहरा दिखाकर खुद को इनसान कह पाएगा। कहर उत्तराखंड को दर्द देता है और इसलिए दोनों राज्यों के बचाव में सुलूक को एक जैसा देखा जाएगा। बहरहाल, उत्तरकाशी के गांव की विनाश लीला ने पर्वत की आर्थिकी में पर्यटन के धमाल को कोसना शुरू किया है। पहाड़ पर पर्यटन कहने को मंजिल है, लेकिन जीने की तमन्ना ने आंखें खोलीं, तो खुरदरी सतह पर सबसे पहले अपने पांव दुरुस्त किए। ऐसे में अगर हिमाचल और उत्तराखंड ने आगे बढ़ने के लिए पर्यटन की किश्तियां खोजीं, तो क्या गुनाह किया। पर्यटन सिर्फ खाका नहीं, अनुभव की शैली में सुकून और रोमांच की एक अदा है। ये अदा प्राकृतिक और स्वाभाविक रूप से जितनी उत्तराखंड को मिली, उससे कहीं अधिक हिमाचल को मिली। यह दीगर है कि उत्तराखंड के फलक पर पर्यटन के पांव ज्यादा चले और कनेक्टिविटी ने यात्रा को गति से जोड़कर समागम बना दिया। हमारे बद्रीनाथ भी ऊंचे पहाड़ पर हैं, लेकिन मणिमहेश और श्रीखंड जैसी यात्राओं को हमने हाई-वे नहीं बनाया। पर्यटन में भी पड़ोसी राज्य हमसे आगे हैं। इसी बीच हिमाचल ने भी पर्यटन की मात्रात्मक गिनती शुरू करके पांच करोड़ सैलानी बुलाने का मंतव्य चुना, तो हमने सर्वप्रथम इन्हीं कालमों में इस आइडिया को घातक बताया था। अब पुनः बहस उत्तराखंड के मार्फत हमारे करीब आई है कि पहाड़ पर सैलानी आने के मानदंड सुनिश्चित करने पड़ेंगे। सारा उत्तराखंड पर्वत नहीं और न ही हिमाचल सिर्फ पहाड़ की चोटियां पर बसता है। अब तय यह करना है कि पर्यटन की सुविधा, संख्या और साधन किस हद तक जुटाए जाएं। परिवहन सेवाओं के दबाव में जरूरतों का हिसाब रखें, तो पर्यटन को हांकते वाहनों पर नजर होनी चाहिए। कम से कम दरकते और बहकते पर्वतीय परिवेश को बचाने के लिए केंद्र को अपने तौर पर यह सुनिश्चित करना होगा कि पहाड़ की आपदा, केवल इसी क्षेत्र की वजह से नहीं है और भविष्य के अनुसंधान, अध्ययन, तकनीक व टीसीपी जैसे कानूनों के तहत विकास योजनाओं की संरचना में वित्तीय संसाधनों की प्राथमिकताएं पहले से तय करनी होंगी। हिमाचल व अन्य पर्वतीय राज्यों के पर्यटन मॉडल को सुदृढ़ करते हुए, भूमि इस्तेमाल की स्पष्टता और अनिवार्यता को तयशुद्धा पैमानों से जोड़ने के लिए वन एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की सहजता में नए आलेख जोड़ने होंगे।

रक्षाबंधन: नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

- ललित गर्ग -

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है।

आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए।

मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दर्शाती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है।

रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है।

राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाज़ारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें।

आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में 'अवनी अविट्टम' के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को 'बलेव' के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है - अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा।

आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं।

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

हिंदी को अंग्रेजी के समक्ष दोयम दरजा यों

सुरेश सिंह बैस ÷शाश्वत÷

हिंदू हिंदी हिंदुस्तान! भारत राष्ट्र के परिचयात्मक सूत्र वाक्य की अगर बात की जाए तो शायद इससे संक्षिप्त और सटीक दूसरा कोई शब्द नहीं होगा। क्योंकि हम भारत के लोग अधिसंख्य रूप से हिंदू और सनातन धर्मी है। दूसरा यहां के अधिकांश लोगों की मातृभाषा हिंदी हैं, तीसरे यही हिंदी इस राष्ट्र की राजभाषा भी है। और चौथा और महत्वपूर्ण तथ्य यह है की इस राष्ट्र का नाम ही हिंदुस्तान है। कुल मिलाकर उक्त तीनों शब्दों में हिंदुस्तान राष्ट्र की पूरी पहचान समाहित है। इस परिप्रेक्ष्य में यह तत्व भी गौर करने लायक है कि आजादी के सालों बीतने के बाद भी हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिए जाने का मामला क्यों अभी तक पेंडिंग रखा गया है, यह समझ से परे है...?

आज जब यह देखने सुनने को मिलता है कि भारत में एक जज जो हिंदी में सुनने के लिए तैयार नहीं है वो भी देश के सबसे बड़े अदालत में सुप्रीम कोर्ट में, वही न्यायालय द्वारा एक अधिकारी को इसलिए अक्षम कहा जा रहा है कि वह अंग्रेजी नहीं बोल पाता...?तो फिर मन में यह सवाल स्वयं ही उठने लगता है कि इस राष्ट्र में कहां है, राजभाषा हिंदी, और कहां है हमारा हिंदुस्तान। शायद हम पहले भी अंग्रेज के गुलाम थे और आज भी अंग्रेजी भाषा के गुलाम हैं, यह एक हकीकत है, जिसे पूरी गंभीरता से मनन करना और होगा। शायद हमें गुलाम रहने की आदत बन गई है अंतर सिर्फ इतना है कि आज अंग्रेजों के नहीं मगर हम अंग्रेजी भाषा के गुलाम हैं।

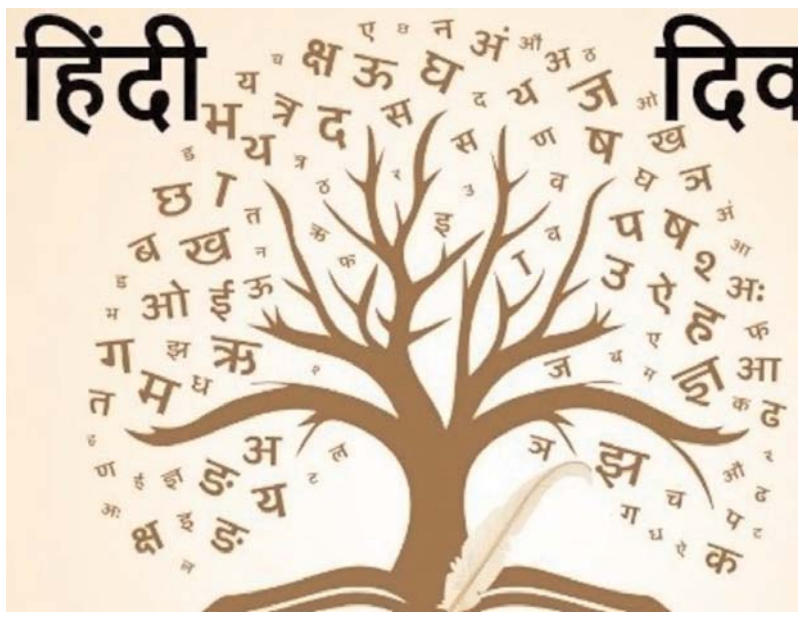

भारत विविध भाषाओं का देश है, जहाँ सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। इनमें हिंदी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं। अगर हर राज्य की अदालतें अपनी अलग भाषा में निर्णय दें तो देशभर में एकरूपता बनाए रखना कठिन हो जाएगा। फिर भी आज भी यह प्रश्न प्रासंगिक है कि क्या हिंदीभाषी भारतीय अब भी अंग्रेजी भाषा को श्रेष्ठ मानकर एक प्रकार की मानसिक दासता में जी रहे हैं? अंग्रेज़ी भाषा भारत में अंग्रेजों के शासन के दौरान आई। जब लॉर्ड मैकाले ने 1835 में अंग्रेजी शिक्षा नीति लागू की, तब से अंग्रेजी को प्रशासन, न्याय, और उच्च शिक्षा की भाषा बना दिया गया। इसका उद्देश्य ÷एक ऐसा वर्ग खड़ा करना था जो भारतीय होकर भी सोच में अंग्रेज़ हो।÷ यह नीति आज़ादी के इतने वर्षों बाद भी समाज के कई हिस्सों में गहराई से जमी हुई है।

आज भी शहरी भारत में अंग्रेजी बोलना ÷शिक्षा÷, ÷सभ्यता÷ और ÷आधुनिकता÷ का प्रतीक माना जाता है। माता-पिता बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भेजने को जीवन की सफलता से जोड़ते हैं। सरकारी दफ्तरों से लेकर निजी क्षेत्र तक, अंग्रेजी का ज्ञान न केवल आवश्यक बल्कि कई बार सफलता का पैमाना बना हुआ है।हालाँकि हिंदी भारत की राजभाषा है, लेकिन यह विडंबना है कि कई बार हिंदी बोलने वाले स्वयं अपनी भाषा को हीन मानते हैं। हिंदी भाषी राज्यों में भी लोग अपनी मातृभाषा को लेकर हीन भावना रखते हैं और अंग्रेज़ी बोलने वालों को अधिक सम्मान देते हैं। जब कोई समाज अपनी मातृभाषा को त्यागकर किसी विदेशी भाषा को केवल इसलिए अपनाता है क्योंकि वह ÷श्रेष्ठ÷ मानता है, तो यह एक प्रकार की मानसिक गुलामी ही है। भाषा का चुनाव यदि उपयोग, वैश्विक संवाद और सुविधा के लिए हो तो यह व्यावहारिक है। लेकिन अगर वह पहचान, गर्व और आत्मसम्मान के त्याग के साथ हो तो यह खतरनाक है।

सकारात्मक पक्ष यह है कि आज हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ डिजिटल दुनिया में अपनी जगह बना रही हैं। यूट्यूब, ब्लॉग, सोशल मीडिया, वेब सीरीज़, और पॉडकास्ट जैसे माध्यमों से लाखों लोग अब मातृभाषा में अभिव्यक्ति कर रहे हैं। कई स्टार्टअप्स और कंपनियाँ अब हिंदी और अन्य भाषाओं में सेवाएँ दे रही हैं। नई पीढ़ी में एक वर्ग ऐसा भी है जो अंग्रेजी जानता है, लेकिन हिंदी में भी गर्व से बात करता है। यह एक भाषायी आत्मनिर्भरता का संकेत है। भाषा को सम्मान दें, न कि तुलना करें। मातृभाषा में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाई जाए। सरकारी और निजी संस्थानों में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जाए।साहित्य, मीडिया और टेक्नोलॉजी में हिंदी की भागीदारी बढ़े।

हमें यह समझने की ज़रूरत है कि अंग्रेज़ी एक भाषा है, न कि श्रेष्ठता का प्रमाणपत्र। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ हमारे विचार, भावना और संस्कृति की वाहक हैं। जब तक हम स्वयं अपनी भाषा का सम्मान नहीं करेंगे, तब तक हम सच में स्वतंत्र नहीं कहलाएंगे। 1861 का इंडियन हाई कोर्ट्स एक्ट अंग्रेज़ी को न्यायिक कार्यवाहियों की भाषा बना गया। न्यायालयों में अंग्रेजी की यह परंपरा ब्रिटिश न्याय व्यवस्था से उत्तराधिकार में मिली, जो आज भी जारी है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के अनुसार-÷सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों की कार्यवाही तथा विधायी दस्तावेज़ अंग्रेज़ी में होंगे। ÷हालांकि संविधान राज्य सरकारों को यह अनुमति देता है कि वे राष्ट्रपति की सहमति से न्यायालयों में हिंदी या कोई अन्य भारतीय भाषा प्रयोग में ला सकते हैं, लेकिन व्यवहार में आम नागरिकों के लिए न्याय को कठिन बना देता है, क्योंकि वे अंग्रेज़ी नहीं समझते। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि न्याय जनता की भाषा में होना चाहिए, ताकि आम नागरिक भी उसे समझ सके।

यह आवश्यक है कि भविष्य में तकनीक, अनुवाद और विधिक सुधारों के माध्यम से भारतीय भाषाओं को भी न्यायिक प्रक्रिया में अधिक स्थान दिया जाए। न्याय को ÷सुलभ और पारदर्शी÷ बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं का प्रयोग बढ़ाना आवश्यक है। उत्तराखंड के खंडपीठ ने राज्य के मुख्य सचिव एवं राज्य निर्वाचन आयुक्त को यह जांचने का निर्देश दिया कि क्या अंग्रेजी न बोल पाने वाले अपर जिला मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी को कार्यकारी पद का प्रभावी नियंत्रण सौंपा जा सकता है? पता नहीं मुख्य सचिव क्या करेंगे। क्या वे एडीएम की अंग्रेजी बोलने की दक्षता परखेंगे या हाई कोर्ट के निर्देश के अनुसार उन्हें ऐसे किसी पद पर नियुक्त करेंगे, जहां अंग्रेजी बोलने की जरूरत न हो। चूंकि उत्तराखंड हिंदीभाषी राज्य है, इसलिए विवेक राय के लिए उपयुक्त पद की कमी न होगी, लेकिन यदि उन्हें अन्यत्र भेजा जाता है तो उनके मान-सम्मान को धक्का लग सकता है। लोग ऐसा कह सकते है कि ये वही अधिकारी हैं, जो अंग्रेजी नहीं बोल पाते। तमाम ऐसा भी कहेंगे कि आखिर उत्तराखंड विदेश में तो है नहीं।

द्विभाषीकरण हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यमों में पढ़ाई संभव हो ऐसी व्यवस्था लागू कर ऐसे दुश्वारों से बचा जा सकता है वहीं डिजिटल अनुवाद और टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर आधारित हिंदी अनुवाद टूल्स से गति लाई जा सकती है। प्रशासनिक और न्यायिक अधिकारियों का पुनः प्रशिक्षण जिससे वे हिंदी में निर्णय और बहस करने में सक्षम हों। हिंदी में केस लॉ और जजमेंट्स का डेटाबेस - छात्रों और वकीलों के लिए शोध और अभ्यास आसान होगा।

हिंदी में ला को लागू करना न तो असंभव है, न ही अव्यवहारिक। यह एक राष्ट्रीय आवश्यकता है जो न्याय को आमजन तक पहुँचाने में मदद करेगी। लेकिन इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर , नेक नीति, संसाधन और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ कार्य करना होगा। अंग्रेजी न जानने की वजह से अक्षम या योग्य नहीं माना जाना सही है या नहीं, इस पर विचार करना जरूरी है।न्यायपालिका और प्रशासनिक पदों पर हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में ही कार्य करने की स्वतंत्रता संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त है। अंग्रेज़ी न जानना क्षमता की कमी नहीं, पर यह प्रशासनिक दक्षता पर असर डाल सकता है। यह मामला यह दर्शाता है कि उच्च स्तर के प्रशासनिक पदों में अंग्रेज़ी भाषा की दक्षता पर सवाल उठाया जा रहा है। लेकिन इसे यह भी मानना जरूरी है कि हिंदी भाषी अधिकारी भी प्रभावी शासकीय कार्य कर सकते हैं, बशर्ते उन्हें आवश्यक तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग मिलता हो। आदर्श रूप में प्रशासन में द्विभाषी (हिंदी + अंग्रेज़ी) दक्षता को बढ़ावा देना चाहिए जिससे किसी भी योग्य अधिकारी की योग्यता भाषा की वजह से प्रभावित न हो। भाषा केवल संवाद का माध्यम है, न कि योग्यता का प्रमाणपत्र। फिर भी, भारत जैसे बहुभाषी देश में अंग्रेज़ी को प्रशासन और न्यायपालिका में प्रमुखता दी गई है। हाल ही में उत्तराखंड उच्च न्यायालय द्वारा एक एडीएम को अंग्रेज़ी न बोल पाने की वजह से अक्षम करार देने का मुद्दा सामने आया, जिसने इस विषय पर राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया है- क्या अंग्रेज़ी न जानने वाला अधिकारी अपने पद के लिए अयोग्य हो सकता है.....?

आज का इतिहास

8 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

2003 - पन्द्रह छोटे देशों ने संयुक्त राष्ट्र संघ में ताइवान की सदस्यता का समर्थन किया।

2002 - ताइवान आज़ाद होने के लिए जनमत संग्रह योजना से पीछे हटा।

2007 - एक्सनाना गुसमाओ पूर्वी तिमोर के प्रधानमंत्री बने।

2004 - इटली ने बोफ़ोर्स दलाली मामले के मुख्य आरोपी ओट्टाविया क्वात्रोची को भारत को सौंपने से इन्कार किया। जापान ने चीन को पराजित करके एशिया कप फुटबाल जीता।

8 अगस्त को जन्मे व्यक्ति

1994 - मीराबाई चानू - प्रसिद्ध भारतीय वेटलिफ्टर हैं।

1975 - जॉन बारला - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।

1955 - राजीव महर्षि - भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक हैं।

1908 - सिद्धेश्वरी देवी - शास्त्रीय संगीत गायिका

1915 - भीष्म साहनी, भारतीय लेखक।

1921 - वुलिमिरि रामालिंगस्वामी, भारतीय चिकित्सा वैज्ञानिक।

1940 - दिलीप सरदेसाई, भारतीय क्रिकेटर।

1941 - लता देसाई - भारतीय राज्य गुजरात की प्रसिद्ध महिला चिकित्सक हैं।

1942 - बलबीर सिंह खुल्लर - भारतीय हॉकी टीम के पूर्व सदस्य थे।

1948 - कपिल सिब्बल - प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ।

1949 - प्रसन्न आचार्य - बारहवीं और तेरहवीं लोकसभा के सदस्य।

1952 - सुधाकर राव, भारतीय क्रिकेटर।

1968 - अबेय कुरुविला, भारतीय क्रिकेटर।

1904 - त्रिभुवन नारायण सिंह - भारतीय राजनेता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे।

आज का राशिफल

मेष: लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-6-8

वृष: अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन: समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क: मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह: संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या: पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला: माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक: नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु: कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर: कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुम्भ: शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है। अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन: पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

ओबीसी नेता प्रेमिका के साथ पकड़ाया, पत्नी ने पीटा; महिला को किया लहूलुहान, ड्रेनेज पाइप के सहारे भागा पति

पत्नी वंदना कनौजिया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ओबीसी महासभा के प्रदेश महासचिव पप्पू कनौजिया को उनकी पत्नी वंदना ने गर्लफ्रेंड के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। पत्नी ने प्रेमिका की जमकर पिटाई की, जिससे वह खून से लथपथ हो गई। कनौजिया ड्रेनेज पाइप के सहारे भाग गया, लेकिन गर्लफ्रेंड वहीं फंसी रह गई और उसकी पिटाई हो गई। बिछिया इलाके की पीएम आवास की मल्टी में बुधवार रात करीब 9 बजे 2 घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा चला। इसके बाद पहुंची पुलिस को तीसरी मंजिल से प्रेमिका को रेस्क्यू करना पड़ा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लात-चप्पलों से की पिटाई, प्रेमिका हुई लहूलुहान: वंदना कनौजिया को सूचना मिली थी कि उनके पति किसी महिला के साथ फ्लैट में हैं। वंदना तुरंत वहां पहुंची। पति को प्रेमिका के साथ आपत्तिजनक हालत में देखकर हंगामा शुरू कर दिया। पति की गर्लफ्रेंड की चप्पलों और लातों से पिटाई कर दी। वह खून से लथपथ हो गई। मल्टी में भीड़ लग गई। महिला फ्लैट से निकलने की कोशिश कर रही थी, लेकिन वंदना ने गेट बंद कर रास्ता रोक लिया। वंदना ने दावा किया कि पप्पू कनौजिया फ्लैट की तीसरी मंजिल से ड्रेनेज पाइप के सहारे भाग गया, लेकिन उसकी गर्लफ्रेंड बाहर नहीं निकल पाई और उसी के हत्थे चढ़ गई। वह लगातार गेट खोलने की कोशिश करती रही।

दो घंटे बाद पहुंची पुलिस, महिला का किया रेस्क्यू: बिछिया थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय के मुताबिक, घटना की सूचना पर पुलिस करीब दो घंटे बाद पहुंची। तब तक प्रेमिका की पिटाई हो चुकी थी। पुलिस को उसे फ्लैट से सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। घटना का वीडियो वंदना ने पुलिस और मीडिया को सौंपा है। थाना प्रभारी ने कहा कि, मामले की जांच की जा रही है, जांच के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी का आरोप- पति से जान का खतरा, दी जा रही धमकी: वंदना कन्नौजिया ने वीडियो जारी कर कहा, मेरे पति ने मुझे और मेरे बच्चों को जान से मारने की धमकी दी है। मुझे लगातार धमकियां मिल रही हैं। मेरी जान को खतरा है, पुलिस मुझे सुरक्षा दे और पति पर कार्रवाई करे। पुलिस ने फिलहाल दोनों पक्षों को मोहल्ले में शांति बनाए रखने और हिंसक गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी है। जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की बात कही गई है।

पर्यावरण का संदेश देने साइकल यात्रा पर निकले लायन सुबोध, देश में एक लाख वृक्ष लगाने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हरा भरा हो भारत देश अपना पर्यावरण का संदेश देने लद्दाख से साइकिल यात्रा पर निकले एवरेस्ट के लायन सुबोध विजय 6 अगस्त बुधवार को लद्दाख से सतना तक 39000 किलोमीटर तक की साइकिल यात्रा कर सतना पहुंचे जहां लायंस परिवार एवं जिला साइक्लिस्ट क्लब के विक्रम सिंह चौहान एवं बीरेंद्र सिंह रावत जिला विधिक सेवाप्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश पार्थशंकर मिश्रा लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन अरविंद शर्मा मल्टीप्ल कोषाध्यक्ष लायंन सुधीर जैन पीडी जी लायन सत्येंद्र शर्मा विनोद गेलानी रामावतार त्रिपाठी हेमंत डेनियल सर्व प्रथम सचिव डॉ रमेश मिश्रा ने माल्यार्पण कर ऐतिहासिक स्वागत किया स्वागत किया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ: रमेश मिश्रा ने बताया लायंस क्लब के सक्रिय सदस्य आर,एन त्रिपाठी के संयोजन में विनायक पब्लिक स्कूल में छात्रों द्वारा विजय जी का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सुबोध ने छात्रों को पर्यावरण के बारे में बताते हुए कहा आज वृक्ष लगाना बहुत जरूरी है नहीं तो आने वाले समय में हमको ऑक्सीजन लेकर चलना पड़ेगा आज आप यहां खड़े हैं तो एक वृक्ष की छाया में खड़े हैं वृक्ष का कितना महत्व है यह आप लोग अच्छी तरह समझ सकते हैं क्योंकि आप लोग आज यहां खड़े हैं और ऊपर से वृक्ष की छाया है इसलिए भी हमें पेड़ लगाना अति आवश्यक है क्योंकि पेड़ हमें छाया भी देते हैं। छात्रों को नैन्सी प्यासी ने भी पर्यावरण के बारे में बताया लायन सुधीर जैन ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर लायंस परिवार एवं सुबोध विजय ने विद्यालय परिसर में पांच वृक्ष लगाए गए सभी बच्चों ने पेड़ की सुरक्षा करने की शपथ ली। विजय ने एवरेस्ट में जाकर राष्ट्रीय धज फहराना और एक लाख वृक्ष लगाकर पर्यावरण जागरूकता करने संकल्प लिया है।

कोरेक्स सिरप की अवैध बिक्री करते युवक का वीडियो वायरल, टीआई बोले- दुकान बंद कर भागा आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बैरहना गांव में अवैध कोरेक्स सिरप की खुलेआम अवैध बिक्री हो रही है। चार दिन पहले कुछ ग्रामीणों ने चुपचाप इसकी रिकॉर्डिंग की थी, जिसका वीडियो गुरुवार को सामने आया है। जानकारी के अनुसार वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान अंकुर गौतम के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि अंकुर पहले से ही आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और उसके खिलाफ पहले भी मामले दर्ज हैं।

युवक खुलेआम बेच रहा अवैध सिरप: वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक बिना डरे खुलेआम अवैध दवाई की बिक्री कर रहा है। बैरहना की इस दुकान में प्रतिबंधित दवाओं के अलावा शराब की अवैध बिक्री भी की जा रही है।

स्कूलों के आसपास भी हो रही बिक्री: ग्रामीणों ने बताया कि सिर्फ बैरहना ही नहीं, पास के बिरसिंहपुर क्षेत्र में भी कई स्थानों पर कोरेक्स और अन्य नशीली दवाओं की अवैध बिक्री हो रही है। स्कूलों के आसपास भी इन नशीली अवैध दवाइयों को बेचा जा रहा है। इससे स्कूली छात्र भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से इस अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

2 बुजुर्गों से 2 लाख की लूट, बैंक से पैसे निकालने वालों को बना रहे निशाना; सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। बैंक से पैसे निकालकर लौट रहे लोगों को लुटेरे लगातार निशाना बना रहे हैं। हाल ही में दो बुजुर्गों से दिनदहाड़े लूट की घटनाएं सामने आई। दोनों वारदातें सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई। पहली घटना फूल हरिचंद्र सिंह गांव के देवशरण गुप्ता के साथ हुई। वह बीमार बेटे के इलाज के लिए यूनियन बैंक से 1 लाख रुपए निकालकर लौट रहे थे। सब्जी मंडी के पास नारियल पानी खरीदते समय एक अज्ञात लुटेरे ने धारदार हथियार से बाइक की डिग्गी काटी और रकम लेकर फरार हो गया। देवशरण ने शोर मचाया, लेकिन तब तक लुटेरा भाग चुका था।

दूसरी घटना बरहटा मोड़ के पास हुई। रिटायर्ड शिक्षक छत्रपाल तिवारी स्टेट बैंक से 1 लाख रुपए निकालकर लौटे थे। उन्होंने 80 हजार रुपए डिग्गी में और बाकी जेब में रखे थे। ऋषरू ऑफिस से सामान लेकर जब वे घर पहुंचे तो डिग्गी में रखे पैसे गायब थे। उनका मानना है कि लुटेरों ने पहले से रेकी कर रखी थी।

बैंक बन रहा लुटेरों का नया टारगेट: स्थानीय लोगों का कहना है कि मऊगंज के एसबीआई, यूनियन बैंक और इंडियन बैंक अब लुटेरों के निशाने पर हैं। बुजुर्ग, रिटायर्ड कर्मचारी और व्यापारी इनके आसान शिकार बन रहे हैं। कुछ समय पहले पुलिस ने हाईवे लूटपाट में शामिल गिरोहों को पकड़ा था। लेकिन अब बैंक से जुड़ी लूट की घटनाएं पुलिस के लिए नई चुनौती बन गई हैं। पुराने मामलों का खुलासा न होने से लुटेरों के हौसले बढ़े हैं।

जनता की मांग सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं: जनता की मांग है कि बैंकों के बाहर सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। साथ ही संदिग्धों की रेकी पर नजर रखी जाए ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। दोनों मामलों की रिपोर्ट थाना मऊगंज में दर्ज की गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि लुटेरों की पहचान की जा सके।

जिले भर में हर्षोल्लास से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह एसएएफ मैदान रीवा में प्रातः 9 बजे से आरंभ होगा। समारोह के मुख्य अतिथि ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। जिला स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री जी के स्वतंत्रता दिवस संदेश का सजीव प्रसारण एलईडी स्क्रिन पर दिखाया जायेगा। समारोह का समापन पुरस्कार वितरण से होगा।

इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि जिले के सभी शासकीय कार्यालयों तथा शिक्षण संस्थाओं में प्रातः 8 बजे अथवा उसके पूर्व ध्वजारोहण किया जाएगा। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान का गायन होगा। शिक्षण संस्थाओं में मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रातः काल प्रभातफेरी निकाली जाएगी। ध्वजारोहण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिक्षण संस्थाओं में वाद-विवाद प्रतियोगिता, राष्ट्रीय एकता पर संगोष्ठी तथा वृक्षारोपण के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं। स्वतंत्रता दिवस पर सभी प्रमुख सार्वजनिक भवनों तथा राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों में 14 और 15 अगस्त की रात में प्रकाश की व्यवस्था की जाय। स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों के परिजनों एवं लोकतंत्र सेनानियों को जिला स्तरीय समारोह में भाग लेने के लिए सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाएगा। वृद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को उनके घर जाकर कलेक्टर द्वारा नामित प्रतिनिधि शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित करेंगे। स्वतंत्रता दिवस पर जिले भर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में पौधे रोपित किये जायेंगे। शासकीय भवनों के परिसर तथा सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक रूप से पौधे रोपित करके पर्यावरण संरक्षण में हर व्यक्ति भागीदारी निभायें।

कलेक्टर ने बताया कि सभी जनपद पंचायत मुख्यालयों में जनपद अध्यक्ष ध्वजारोहण करेंगे तथा समारोह में सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया जाएगा। ऐसी नगर पंचायत जिसका मुख्यालय विकासखण्ड मुख्यालय में नहीं है उसमें नगर परिषद अध्यक्ष राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। समारोह में राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों में सरपंच ध्वजारोहण करेंगे।

डीईओ कार्यालय के सामने मिली युवक की लाश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मेडिकल नशे ने फिर एक युवक की जान ले ली। 30 साल का युवक लोगों की आंखों के सामने ही चलते फिरते दम तोड़ गया। युवक की लाश डीआईजी कार्यालय से 150 मीटर की दूरी पर मिली। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि युवक बहुत नशे में था। उसके हाथ पैर कांप रहे थे। ऐसा लग रहा था कि जैसे मेडिकल नशे का ओवरडोज ले लिया हो। उद्यानिकी कार्यालय के सामने और डीईओ कार्यालय की पार्किंग में लाश मिलने से हड़कंप मच गया। बताया गया कि युवक मौत से पहले डीईओ की गाड़ी में हमला करना चाहता था। जिसे डीईओ के ड्राइवर ने घसीट कर किनारे कर दिया था। बहरहाल युवक की पहचान नहीं की जा सकी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और युवक की लाश को बरामद किया। घटना स्थल की वीडियो ग्राफी की और साक्ष्यों को भी संकलित किया। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि युवक काफी नशे में था जो डीईओ की गाड़ी पर गमले से हमला करने गया था, जिसे डीईओ रामराज मिश्रा के ड्राइवर ने किनारे किया। पूरे मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की तस्दीक और जांच की जा रही है। युवक कौन है और कहां का रहने वाला है। इसका पता लगाया जा रहा है।

खाद संकट पर अनोखा प्रदर्शन, बोरी पहनकर एसडीएम ऑफिस पहुंचे आप कार्यकर्ता, यूरिया-डीएपी की कमी दूर करने की रखी मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। यूरिया और डीएपी खाद की भारी कमी से किसानों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। खाद के लिए परेशान किसानों के समर्थन में आप कार्यकर्ता बोरी पहनकर एसडीएम ऑफिस पहुंचे। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में किसान खाद के लिए भटक रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर खाद नहीं मिल रही। इससे फसलें खराब होने की कगार पर पहुंच गई हैं।

आम आदमी पार्टी का अनोखा प्रदर्शन: गुरुवार को खाद के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी की यूथ विंग ने खाद की बोरी पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने रघुराजनगर एसडीएम (ग्रामीण) एल.आर. जांगड़े को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने मांग रखी कि देश का अन्नदाता खाद के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है। यह समस्या हर साल सामने आती है, लेकिन प्रशासन ने आज तक कोई ठोस इंतजाम नहीं किया।

सरकार पर लगाए आरोप: आप कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और प्रशासन किसानों के साथ लगातार दुर्व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सतना से ही राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी आती हैं, फिर भी खाद की समस्या जस की तस बनी हुई है।

पार्टी ने दो मुख्य मांगे रखीं: किसानों को जल्द से जल्द खाद उपलब्ध कराई जाए। खाद की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई हो। यूथ विंग ने चेतावनी दी कि यदि समय पर समाधान नहीं हुआ तो जल्द ही उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

स्टूडेंट्स ने जवानों के लिए तैयार की रंग-बिरंगी राखियां, कलेक्टर को सौंपी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्षाबंधन से पहले देशभक्ति और भाईचारे का अनूठा दृश्य देखने को मिला। साईं पब्लिक स्कूल और गार्जियन एंड गाइड स्कूल की छात्राओं ने सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए राखियां तैयार कीं। गुरुवार को इन्हें कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस को सौंपा गया। छात्राओं ने राखियों से तिरंगे के रंगों में भारत का नक्शा भी बनाया। इसे देखकर उपस्थित सभी अधिकारी भावुक हो गए। कार्यक्रम के दौरान भारतमाता की जयघोष और देशभक्ति गीतों से पूरा माहौल देशप्रेम से भर गया। इस अवसर पर छात्राओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को भी राखी बांधी। साथ ही मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने बच्चियों के इस पहल की सराहना की और उन्हें देशप्रेम की मिसाल बताया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल राखी भेजना नहीं था। बल्कि नई पीढ़ी में देशभक्ति, सैनिकों के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना जगाना था। छात्राओं ने कहा कि ये राखियां सिर्फ धागे नहीं हैं। इनमें उनका स्नेह, आशीर्वाद और सुरक्षा की कामना बंधी है। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने कार्यालय के कर्मचारियों को भी राखियां बांधकर भाईचारे का संदेश दिया।

मझगवां के मंदिरों की जमीनें अतिक्रमण मुक्त कराने ग्रामीणों ने एस.डी.एम को सौंपा ज्ञापन

इंसान तो इंसान भगवान अपनी जमीन बचाने किसके पास जाएं बताए प्रशासन : आशुतोष

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव व उत्तर प्रदेश बुंदेलखंड किसान कांग्रेस के प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने ग्रामीणों के साथ अनुविभागीय (आई.एस) अधिकारी महिपाल सिंह गुर्जर को ज्ञापन सौंपा जिसमें कहा की मझगवां जनपद मुख्यालय व तहसील का मुख्यालय है यहां आए दिन हजारों लोगों का आवागमन बना रहता है प्रभु श्री राम की कर्मस्थली तपोभूमि श्री चित्रकूट धाम का प्रथम द्वारा भी माना जाता है लेकिन मझगवां नगर के अति प्राचीन मंदिर जैसे राजाधिराज मंदिर बांके बिहारी मंदिर रेलवे स्टेशन रोड मुख्य बाजार जैसे कई स्थल हैं जो पूरी तरह से अतिक्रमण की चपेट में है कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को पत्रों व ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया लेकिन आज दिनांक तक किसी विषय पर ना तो कोई कार्यवाही हुई ना तो उक्त भूमियों को सीमांत्रित कर चिन्हित किया गया मझगवां नगर की संबंधित समस्याएं प्रमुख रही जैसे मझगवां के अति प्राचीन राजाधिराज मंदिर की भूमि का सीमांकन करवाकर अतिक्रमण हटवाया जाए जबकि पूर्व में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा राजाधिराज मंदिर का अतिक्रमण हटाए जाने के लिए प्रशासन को निर्देशित किया गया था। स्टेशन रोड मझगवां कन्या हाई स्कूल की बाउंड्री से सटकर कई दुकाने लगाई जाती हैं जिससे स्टेशन रोड में आने जाने वाले यात्रियों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इंडियन बैंक मझगवां को बाजार रोड से हटाकर अन्यत्र जगह स्थापित करवाया जाए क्योंकि इंडियन बैंक मुख्य बाजार में होने की वजह से बैंक के ग्राहकों के वाहन खड़े होने से मुख्य बाजार का रास्ता बंद हो जाता है जिससे लोग दिन में बाइक या कार तक लेकर नही निकल पाते। मझगवां नगर के प्राचीन बांके बिहारी मंदिर का जिर्दोधार करवाया जाए व मंदिर से लगी लगभग 15 एकड़ भूमि बांके की उपज के लिए नीलामी प्रक्रिया करवाई जाए जैसा की पूर्व में होती थी। मझगवां के करुणा धाम मंदिर से लगी मध्य प्रदेश शासन की भूमियों का सीमांकन करवारकर चिन्हित किया जाए व अतिक्रमण मुक्त करवाया जाए। बस स्टैंड मझगवां में हाथ ठेला पूरी सड़क पर बसों के आने पर दौड़ते हैं जिससे आए दिन एक्सीडेंट होते हैं जिनकी जगह चिन्हित करवाकर सड़क किनारे पुलिस प्रशासन द्वारा स्थाई करवाया जाए व बस स्टैंड में स्थाई रूप से सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए पूर्व की भांति सुरक्षाकर्मी तैनात करवाये जाएं।

गढ़ थाने के जप्तशुदा 27 मोटरसाइकिलों की होगी नीलामी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गढ़ थाने में विभिन्न आपराधिक प्रकरणों में जप्त और बरामद 27 मोटरसाइकिलों की नीलामी की जाएगी। इस संबंध में थाना प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने बताया कि पुलिस एक्ट 1861 की धारा 25 के प्रावधानों के तहत एसडीएम मनगवां द्वारा इस संबंध में कार्यवाही की जा रही है। जप्तशुदा 27 वाहनों की सूची का प्रकाशन 28 मई 2025 को स्थानीय समाचार पत्रों में कराया गया। सूचना प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि में दावे-आपत्तियों को दर्ज किया गया। सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के बाद 27 वाहनों के संबंध में किसी भी व्यक्ति द्वारा दावा दर्ज नहीं किया गया है। इन्हें लावारिस मानकर इनकी नीलामी की कार्यवाही थाना गढ़ में सूचना प्रकाशन के 15वें दिन किया जाएगा। इन वाहनों के संबंध में कोई भी दावा प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए नीलामी के समय दर्ज की गई आपत्ति मान्य नहीं होगी। निर्धारित शर्तों का पालन करने वाले बोलीदार नीलामी में शामिल हो सकते हैं। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ थाना गढ़ से प्राप्त की जा सकती हैं।

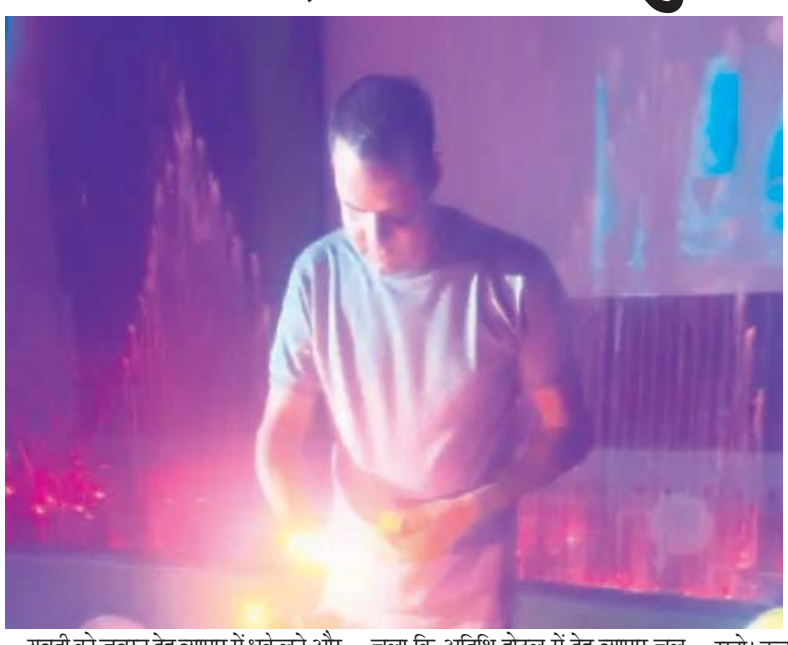

देह व्यापारी मामले में फरार इनामी आरोपी का सरेंडर, नेपाल में काट रहा था फरारी; असम की युवती ने की थी शिकायत

जबलपुर , एजेंसी। जबलपुर के एक होटल में देह व्यापार चलाने के मामले में फरार आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उस पर 10 हजार रुपए का इनाम था। 2 जून को असम की एक महिला ने जबलपुर पुलिस को लिखित शिकायत में बताया था कि गढ़ा क्षेत्र में स्थित अतिथि होटल में देह व्यापार चल रहा है। वहां ना सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि असम, कोलकाता, सिक्किम और रायपुर से भी लड़कियां लाई जाती है। एसपी संपत उपाध्याय के निर्देश पर पुलिस ने छापा मारा तो होटल मालिक भाजपा नेता अतुल चौरासिया गिरफ्त में आ गया। जबकि देह व्यापार चलाने वाला शीतल उर्फ मथुरा प्रसाद दुबे फरार हो गया। मूलतः डिंडोरी का रहने वाला शीतल दूसरे राज्यों से लड़कियों को बुलाकर भाजपा नेता के होटल में रुकवाता था।

असम की युवती ने खोला देह व्यापार का राज : भाजपा नेता अतुल चौरासिया को गिरफ्तार करने के बाद जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो पता चला कि शीतल दुबे बीते एक साल से उसके संपर्क में है। वह बाहर से दूसरे शहर से लड़कियों को लाकर रुकवाया करता था। असम की एक युवती को जबरन देह व्यापार में धकेलने और फिर रुपए देने का वादा करने के बाद मुकरने पर उसने गढ़ा थाना पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि अतिथि होटल में देह व्यापार चल रहा है। पुलिस को युवती ने बताया कि तीन साल पहले नौकरी की तलाश में जबलपुर आई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात अतुल और शीतल से हुई। दोनों ने पहले उसे होटल में रुकवाया और फिर मोटी कमाई का झांसा देकर जबरन देह व्यापार में धकेल दिया।

2 से 5 हजार रुपए तक वसूलते थे : पीड़िता ने बताया कि होटल में आने वाले पुरुषों को सीधे उसके कमरे में भेजा जाता था। हर ग्राहक से 2 से 5 हजार रुपए लिए जाते थे, लेकिन उसे उसमें से बहुत कम पैसा दिया जाता। जब भी वह पैसे मांगती, तो बहला-फुसलाकर चुप करा दिया जाता। कई बार पैसे मांगने पर उसे धमकाया भी गया। युवती ने जब कभी भी शीतल और अतुल से पैसे मांगे तो उसे डराते हुए यह कहा गया कि जितने रुपए दे रहे हैं, उतने ही रख और मुंह बंद रखो। कुछ माह पहले युवती उनके चंगुल से भाग निकली और एक किराए के मकान में रहने लगी।

नेपाल में छिपकर काट रहा था फरारी: भाजपा नेता अतुल चौरासिया को तो पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन, देह व्यापार करवाने वाला शीतल फरार था। गढ़ा थाना पुलिस के साथ-साथ क्राइम ब्रांच की टीम लगातार उसकी तालाश में जुटी हुई थी। जानकारी के मुताबिक जबलपुर से फरार होने के बाद कुछ दिनों तक शीतल डिंडौरी और फिर जबलपुर कृषि मंडी में छिपकर घूमता रहा। इसके बाद वह उत्तरप्रदेश से बिहार होते हुए नेपाल भाग गया और फरारी काट रहा था। इधर, जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय ने शीतल दुबे के खिलाफ 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया। शीतल को लगने लगा था कि पुलिस कभी भी उसे गिरफ्तार कर सकती है, लिहाजा बुधवार को उसने जिला कोर्ट के समक्ष सरेंडर कर दिया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

शीतल ने दिलाई थी पीड़िता को होटल में नौकरी : पीड़िता ने पुलिस को शिकायत में बताया था कि वह वर्ष 2023 में असम से जबलपुर आई थी और एक पार्लर में काम करने के दौरान उसकी पहचान शीतल दुबे से हुई थी। बाद में शीतल ने उसकी मुलाकात भाजपा अतुल चौरासिया से कराई और होटल में नौकरी दिलवा दी।

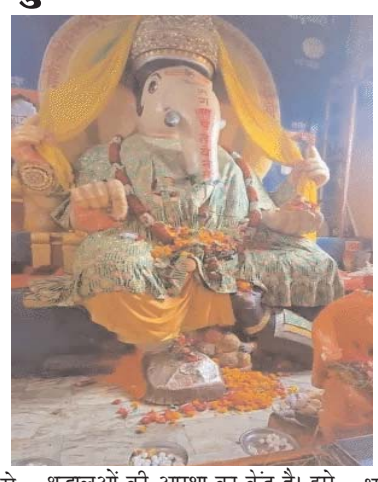

भगवान गणेश के लिए देशभर की बहनों ने भेजी राखी, अमेरिका, सिंगापुर और हांगकांग से भी आई राखिया

उज्जैन, एजेंसी । देशभर में 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। इसी भाव के साथ उज्जैन के प्रसिद्ध बड़े गणेश मंदिर में भगवान गणेश को भाई मानने वाली बहनों ने देश-विदेश से राखियां भेजी हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित आनंद शंकर व्यास ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी भारत के अलग-अलग शहरों से लेकर अमेरिका, सिंगापुर और हांगकांग जैसे देशों से भी भगवान गणेश के लिए राखियां भेजी गई हैं। हालांकि कुछ राखियां समय पर नहीं पहुंच सकीं, लेकिन देश के कई हिस्सों से आई राखियां उज्जैन में प्राप्त हो चुकी हैं। ये सभी राखियां पंडित व्यास के घर पहुंचाई गई हैं। महाकाल मंदिर के समीप स्थित 15 फीट ऊंची भगवान गणेश की प्रतिमा को श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इसे 'बड़े गणेश' के नाम से जाना जाता है। पंडित व्यास ने बताया कि भक्त भगवान शिव को पिता और देवी पार्वती को माता मानते हैं और इसी मान्यता के तहत कई महिलाएं भगवान गणेश को अपना भाई मानती हैं। मुंबई निवासी राजकुमारी जैन द्वारा भेजी गई सोने की गिन्नी लगी राखी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसे हर साल रक्षाबंधन पर भगवान गणेश को अर्पित किया जाता है। भगवान गणेश के साथ-साथ रिद्धि और सिद्धि को भी राखियां बांधी जाती हैं। इस साल बेंगलुरु, मुंबई, इंदौर, भोपाल और जयपुर से बहनों ने राखियां भेजी हैं। वहीं विदेश से भेजी गई कुछ राखियां डाक व्यवस्था के कारण विलंब से पहुंच रही हैं। पंडित आनंद शंकर व्यास ने बताया कि रक्षाबंधन पर सभी राखियां विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश को अर्पित की जाएंगी। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और हर साल बहनों की आस्था के साथ यह आयोजन और भी भव्य रूप लेता जा रहा है।

छिंदवाड़ा में दिनदहाड़े युवक की पिटाई का वीडियो-पोला ग्राउंड में लात-घूंसे और डंडों से हमला, सभी आरोपी गिरफ्तार

छिंदवाड़ा, एजेंसी। छिंदवाड़ा शहर के पोला ग्राउंड में दिनदहाड़े गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। उमरेठ थाना क्षेत्र निवासी नीरज यादव को कुछ युवकों ने घेरकर लात-घूंसे और डंडों से बेरहमी से पीटा। यह पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वीडियो सामने आने के बाद कोतवाली पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।इस साल मानसून निर्धारित समय पर आ गया था। इस बार जुलाई महीने में अच्छी बारिश हुई, लेकिन अगस्त महीने में बारिश का आंकड़ा पीछे रह गया। अब तक जिले में 646.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड हो चुकी है जबकि पिछले साल अब तक जिले में 745.4 मिमी बारिश हुई थी। यानी की इस बार पिछले साल की अपेक्षा करीब 4 इंच बारिश कम हुई हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि नीरज यादव ने चांद थाना क्षेत्र के पंकज मालवीय और शुभम मालवीय की बहन को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी बात से नाराज होकर पंकज, शुभम और उनके साथियों ने मिलकर नीरज पर हमला किया।

वायरल वीडियो से हरकत में आई पुलिसः जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, कोतवाली थाना प्रभारी आशीष कुमार ने तत्काल संज्ञान लिया। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर सभी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

पीड़ित युवक ने लगाई न्याय की गुहार : घटना के बाद पीड़ित नीरज यादव ने पुलिस से न्याय की मांग की है। उसका कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर उसके साथ की गई मारपीट से वह डरा हुआ है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

पुलिस ने दी चेतावनी, कानून हाथ में न लः कोतवाली पुलिस का कहना है कि शहर में कानून व्यवस्था को बिगाड़ने की किसी को इजाजत नहीं दी जाएगी। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है। दोषियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

किसान के जेब से 91 हजार निकाल ले गए बदमाश-मंडी से गेहूं बेचकर लौट रहा था, प्रतीक्षालय में इंतजार करते वक्त हुई वारदात

सागर, एजेंसी । सागर जिले के बंडा थाना क्षेत्र में स्थित कृषि उपज मंडी में बुधवार को एक किसान के साथ बड़ी चोरी की वारदात हुई। 68 वर्षीय किसान अनंदी प्रजापति ने मंडी में गेहूं बेचकर 91,510 रुपए कमाए थे, लेकिन बस में बैठते ही उसने देखा कि कुर्ते की जेब से सारे रुपए गायब थे। अज्ञात बदमाश किसान की जेब से रुपए निकालकर फरार हो गए।

अनंदी प्रजापति, निवासी बकपुरा, ने 35.57 क्विंटल गेहूं मंडी में बेचकर व्यापारी से नकद भुगतान लिया था। उसने सारे रुपए अपने कुर्ते की जेब में रख लिए और मंडी गेट के सामने प्रतीक्षालय में बस का इंतजार करने लगा। जब बस आई तो वह चढ़ गया, लेकिन सीट पर बैठते ही उसे एहसास हुआ कि जेब में रखे रुपए गायब हैं।

घबरा कर घर गया, फिर बेटे के साथ लौटा मंडी : रुपए गायब देखकर किसान घबरा गया और सीधे घर पहुंचा। वहां उसने परिजनों को पूरी बात बताई, जिसके बाद वह बेटे के साथ दोबारा मंडी पहुंचा और आसपास तलाश की, लेकिन रुपए नहीं मिले। व्यापारी से भी जानकारी ली, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज : बुधवार को किसान बंडा थाने पहुंचा और पूरी घटना की शिकायत की। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। किसान ने आशंका जताई कि मंडी से बाहर निकलते वक्त दो संदिग्ध युवक उसका पीछा कर रहे थे, संभवतः उन्हीं ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मामले की जांच के तहत पुलिस अब मंडी परिसर और आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

एमबीबीएस स्टूडेंट के बाल काटे, शराब मंगवाई, रात को नशे में आए दो सीनियर्स ने रैगिंग ली

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के शासकीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की घटना सामने आई है। एमबीबीएस सेकेंड ईयर के दो छात्र नशे की हालत में फर्स्ट ईयर के हॉस्टल में घुसे और एक स्टूडेंट के सिर पर ट्रिमर चलाकर बाल काट दिए। दूसरे स्टूडेंट से शराब मंगवाई। पीड़ित छात्र ने शिकायत में बताया कि 2023 बैच के सीनियर आयुष्मान पांडे और अमोलिक वर्मा बुधवार रात नशे की हालत में उसके कमरे में घुस आए। उन्होंने वहां शराब पी, फिर गाली-गलौज और धमकाना शुरू कर दिया। ट्रिमर से बाल काट दिए। हॉस्टल में मौजूद एक अन्य जूनियर से शराब लाने को कहा।

हॉस्टल के अन्य छात्रों को रैगिंग की जानकारी मिली तो उन्होंने इसका विरोध किया। इस पर दोनों सीनियर चीखने-चिल्लाने लगे। फर्स्ट ईयर के छात्रों ने डीन और वार्डन को फोन करने की बात कही। इस पर दोनों सीनियर हॉस्टल की पीछे की दीवार से कूदकर भाग निकले। वे अपनी मोटरसाइकिलें वहीं छोड़ गए। मामले की जानकारी मिलते ही डीन डॉ. अनिता मूथा, हॉस्टल वार्डन डॉ. देवेंद्र चौहान और दूसरे स्टाफ मेंबर्स हॉस्टल पहुंचे। स्टूडेंट्स से पूछताछ की। दोनों आरोपी छात्रों की बाइक जब्त कर पुलिस को सौंपी।

दोनों आरोपियों का निष्कासन : गुरुवार सुबह कॉलेज की एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक हुई। इसके बाद डीन डॉ. अनीता मूथा ने बताया कि आयुष्मान को एक साल के लिए सभी एकेडमिक गतिविधियों और यूनिवर्सिटी एग्जाम से बाहर कर दिया गया है। उसे हॉस्टल समेत कॉलेज कैंपस से एक साल तक निष्कासित किया गया है। अमोलिक वर्मा को 6 माह के लिए बाहर किया गया है। वह भी किसी एकेडमिक गतिविधि या एग्जाम में शामिल नहीं हो सकेगा। हम पुलिस को लिखित में शिकायत कर केवल सूचना दे रहे हैं, एफआईआर अभी नहीं करवा रहे हैं। पेरेंट्स को बुलाकर अंडरटेकिंग ली जाएगी। आगे इस प्रकार की घटनाएं न दायत दी जाएगी।

पोकलेन मशीन की चपेट में आया युवक, 3 टुकड़े हुए; खंडवा में थर्मल प्लांट में धड़, हाथ और सिर अलग हुए, धरने पर बैठे परिजन

खंडवा, एजेंसी। खंडवा के संत सिंगाजी थर्मल पावर प्लांट में एक हेल्पर पोकलेन मशीन के पंजे की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसका सिर, धड़ और एक हाथ अलग-अलग होकर दूर जा गिरे। घटना बुधवार रात 10 बजे की है। यहां पोकलेन मशीन डंपर में मुरूम डाल रही थी। डंपर हेल्पर लखन उर्फ भूपेंद्र राजपूत (25) की मशीन की चपेट में आने से मौत हो गई। धड़ रात में ही मिल गया था, लेकिन उसका सिर और हाथ गुरुवार सुबह मिले। डॉग स्क्वाड की मदद से सिर को तलाशा गया। पुलिस के अनुसार, मृतक लखन ग्राम गोराडिया का रहने वाला था। वह डंपर पर हेल्परी का काम करता था। हादसे के वक्त वह डंपर के पास खड़ा था। अंधेरा होने के कारण न तो लखन को पोकलेन का पंजा दिखाई दिया, न ही ऑपरेटर को लखन की मौजूदगी का अंदाजा हुआ। पंजा लखन की गर्दन से टकरा गया, जिससे उसके शरीर के टुकड़े हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद किया।

लखन- मृतक

शव चुपचाप अस्पताल भेजा, परिवार से छिपायाः राजपूत समाज के लोग प्लांट के मेन गेट पर धरने पर बैठ गए हैं। सुबह 10 बजे से प्रदर्शन चल रहा है, लेकिन अब तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। धरने में शामिल प्रदेश कांग्रेस सचिव उत्तपालसिंह पुरनी ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद प्लांट प्रबंधन ने परिवार को सूचना तक नहीं दी। शरीर का एक हिस्सा रात में ही चुपचाप जिला अस्पताल भेज दिया गया। सिर और हाथ सुबह घटनास्थल से मिलने के बाद अस्पताल भेजे गए। पुरनी ने कहा कि इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद प्लांट प्रबंधन की संवेदनहीनता सामने आई है। हमारी मांग है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो। साथ ही मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।

ओवरलोडिंग को बताया हादसे की वजहः प्रदर्शनकारियों ने प्लांट में हो रही ओवरलोडिंग को हादसे की मुख्य वजह बताया। उन्होंने मांग की कि आगे से ओवरलोडिंग पर सख्त रोक लगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंचीः गुरुवार सुबह मूंदी पुलिस और पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की। फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वाड की टीम ने भी मौके पर साक्ष्य जुटाए। शव को जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में रखा गया है, जहां एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम पोस्टमार्टम करेगी।

आधे किलोमीटर दूर जाकर ढूंढाः घटना के चश्मदीद और डंपर ड्राइवर देवेंद्र जाधम ने बताया, रात 8 बजे की बात है। उस समय पोकलेन मशीन से डंपर में राखड़ लोड हो चुकी थी। इसके बाद लखन और मैंने डंपर को राखड़ बांध से बाहर निकाला। गेट पर लोडिंग की पर्ची बनती है। वह पर्ची बनवाने के बाद मैंने लखन को वह पर्ची देने के लिए पोकलेन मशीन के ऑपरेटर के पास भेजा।

दोस्तों ने चप्पल से पीटा, पैर पड़वाएःनर्मदापुरम में पार्टी के रुपए नहीं देने पर की मारपीट, तीन आरोपी गिरफ्तार

नर्मदापुरम, एजेंसी । नर्मदापुरम के आदमगढ़ में दोस्तों ने ही युवक को चप्पल से पीटा। उससे पैर पड़वाए। घटना 3 अगस्त की है। इसका वीडियो अब सामने आया है। जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें 6 युवक नजर आ रहे हैं, जिनमें से तीन पिटाई कर रहे हैं। एक वीडियो बना रहा है और बाकी तमाशबीन हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने चार के खिलाफ स्वढ्ढक्रदर्ज की और तीन को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी अभी फरार है। 34 सेकंड के वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि दो लोग लगातार चप्पल से एक युवक की पिटाई कर रहे हैं। एक युवक के चेहरे पर चप्पल मार रहा है, दूसरा पीछे से सिर और गर्दन पर वार कर रहा है। 20 सेकंड में 18 बार चप्पल से मारा गया। मारपीट के दौरान आरोपी गालियां दे रहे हैं। एक आरोपी कह रहा है कि चप्पल से लग नहीं रही, डंडा लेकर आओ। तब पीड़ित हाथ जोड़कर कहता है- डंडा मत लाओ, माफ कर दो। इसके बाद आरोपियों ने उससे पैर पड़वाकर माफी मंगवाई।

एक ही परिवार के दो पक्षों में डंडे-तलवार से हमला-रायसेन में 9 लोग घायल, धान की रोपाई को लेकर चचेरे भाइयों में हुई मारपीट

रायसेन, एजेंसी। रायसेन के वार्ड नंबर 5 में बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे जमीनी विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों में मारपीट हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर डंडों और तलवार से हमला किया। इस घटना में दोनों पक्षों के 9 लोग घायल हुए हैं। एक पक्ष के सेवक राम चतुर्वेदी, नवीनचंद चतुर्वेदी, लोकेश नारायण चतुर्वेदी, मोहित चतुर्वेदी और नव्यम चतुर्वेदी शामिल हैं। दूसरे पक्ष में रामबाबू चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, सुमित चतुर्वेदी और निमित चतुर्वेदी हैं।

धान की रोपाई करने को लेकर विवाद हुआ : सभी घायलों को सर, हाथ, पैर और मुंह में चोट आई हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायलों के अनुसार 5 एकड़ जमीन पर धान की रोपाई करने को लेकर विवाद हुआ है।

तूफान गाड़ी ट्रक से टकराई, एक की मौत, 14 घायलःकुबेरेश्वर धाम से लौट रहे थे खरगोन के श्रद्धालु, इंदौर के कनाड़िया बायपास पर हादसा

खरगोन, एजेंसी । इंदौर के कनाड़िया बायपास पर गुरुवार सुबह करीब 4 बजे सड़क हादसे में खरगोन के 24 साल के युवक की मौत हो गई। वहीं 14 लोग घायल हुए हैं और दो लोगों की हालत अभी भी गंभीर है। सभी घायलों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया है। घटना बिचौली मर्दाना ब्रिज के पास हुई। एक तूफान गाड़ी तेज रफ्तार से रास्ते में खड़े ट्रक में जा घुसी। गाड़ी में सवार इंदिरानगर खरगोन निवासी मंटू वर्मा पिता मुन्नालाल वर्मा की मौत हो गई। गाड़ी में सवार अन्य 14 लोग घायल हुए हैं।

सभी सीहोर के कुबेरेश्वर धाम से लौट रहे थे : इंदौर पुलिस ने बताया कि हादसे की सूचना वहां से गुजर रहे लोगों ने उन्हें दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर उन्होंने गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। सभी लोग सीहोर के कुबेरेश्वर धाम से लौट रहे थे। ट्रक चालक की लापरवाही और क्षेत्र में संकेतकों की भी जांच की जा रही है।

ये हुए घायल- घायलों में कीर्ति पिता संतोष निवासी मोतीपुरा खरगोन, संदीप पिता अमरसिंह निवासी जेतपुरा, गौरव पिता बद्रीलाल निवासी इंदिरा नगर, संतोष मोतीलाल, मोहन सिंह पिता सखाराम, बासूबाइ पति अनराम, विमला बाई पति शंभु सिंह, मन्नु पिता काका वर्मा, कंचन वर्मा, विमला बाई पति सुरेश, भगवती बाई पति बंशीलाल, आकाश पिता गोपाल, बसु पति बंशीलाल और सक्कूबाई पति मोहन शामिल हैं।

छह दिन से नहीं हुई एक बूंद बारिश, फसलों पर भी संकट

सीहोर, एजेंसी। पिछले छह दिन से शहर में बारिश नहीं हुई है। ऐसे में गर्मी और उमस से जहां आमजन परेशान हैं वहीं बारिश की खेंच के कारण फसलों की स्थिति भी बिगड़ सकती है। हालांकि मौसम विभाग का मानना है कि अगले तीन दिन जिले में तेज बारिश की संभवना नहीं है। हालांकि अनुमान लगाया जा रहा है कि लो-प्रेशर जोन बनने से नया सिस्टम एक्टिव हो सकता है। बुधवार को अधिकतम तापमान 32.5 और न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि जिले में अब तक मात्र 646.6 मिमी औसत बारिश ही रिकार्ड हुई है। जो पिछले साल से करीब एक इंच कम है। बता दें कि एक दिन पहले मंगलवार को अधिकतम तापमान 30.5 और न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। लेकिन बुधवार को अधिकतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 32.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री पर ही स्थिर रहा। तापमान बढ़ने से गर्मी और उमस से लोग परेशान होने लगे हैं। वहीं इस बार पिछले साल की अपेक्षा बारिश भी कम ही हुई है।

प्रो गोविंदा लीग 7 से मुंबई में शुरू

मुंबई, ऐजंसी। मुंबई की बहुचर्चित दही हांडी परंपरा एक भव्य खेल तमाशे के लिए तैयार हो रही है क्योंकि प्रो गोविंदा लीग (पीजीएल) 2025 7-9 अगस्त को डोम एसवीपी स्टेडियम, वर्ली में वापसी कर रही है, पीजीएल की एक विज्ञप्ति के अनुसार। उत्साह को बढ़ाते हुए, स्पेशियलिटी केमिकल्स और फार्मा उद्यमी और प्रशंसित हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार जशन भुमकर ने आधिकारिक तौर पर अलीबाग नाइट्स के सह-मालिक के रूप में लीग में प्रवेश किया है, साथ ही प्रतिष्ठित बैस्टियन रेस्तरां समूह के संस्थापक आतिथ्य नेता रंजीत बिंद्रा भी शामिल हैं। लीग के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, जशन भुमकर ने कहा, ÷प्रो गोविंदा लीग सिर्फ़ एक खेल नहीं है - यह साहस, टीम वर्क और महाराष्ट्र की अविश्वसनीय सांस्कृतिक धड़कन का उत्सव है। भारतीय परंपराओं और संगीत से गहराई से जुड़े होने के नाते, मुझे लगा कि यह एक ऐसे ज़मीनी खेल का समर्थन करने का जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर है जो वास्तव में लोगों का है। भुमकर ने अपनी टीम, अलीबाग नाइट्स, जिसका प्रतिनिधित्व जोगेश्वरी के उत्साही बाल उत्साही पाठक करेंगे, पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, ÷जब मैं पहली बार इस टीम से मिला, तो मैंने कुछ खास देखा - एक अटूट बंधन, हर चुनौती से ऊपर उठने की ललक। ये सिर्फ एथलीट नहीं हैं; ये योद्धा हैं जो अपने आसपास के सभी लोगों को प्रेरित करते हैं। मेरा उन पर पूरा विश्वास है, और मुझे यकीन है कि वे इस सीज़न में अपनी छाप छोड़ेंगे। इस टूर्नामेंट में 16 शीर्ष स्तर के गोविंदा पाठक भाग लेंगे, तथा पद्मश्री कैलाश खेर (पहले दिन) और सलीम-सुलेमान (फाइनल) द्वारा लाइव संगीत प्रस्तुतियां उत्सव के माहौल को और भी अधिक रोचक बना देंगी। भुमकर ने आगे कहा, ÷यह लीग परंपरा, रोमांच और मनोरंजन का एक खूबसूरत संगम है। हमारा लक्ष्य गोविंदा को एक मान्यता प्राप्त, पेशेवर रूप से प्रतिष्ठित खेल के रूप में स्थापित करना है, साथ ही इसकी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना है। मुझे इस यात्रा का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है। प्रो गोविंदा लीग 2025 तीन दिनों तक रोमांचक प्रतिस्पर्धा, सामुदायिक उत्सव और सांस्कृतिक गौरव का वादा करता है। प्रशंसक ज़ी नेटवर्क पर लाइव एक्शन देख सकते हैं या मुंबई के वर्ली स्थित डोम एसवीपी स्टेडियम में इसकी ऊर्जा का प्रत्यक्ष अनुभव ले सकते हैं।

भारत के संजय टाकले एशिया क्रॉस कंट्री रैली 2025 के 30वें संस्करण के लिए तैयार

पुणे, ऐजंसी । धीरज मोटरस्पोर्ट की दुनिया में भारत के ध्वजवाहक, अनुभवी रैली चालक संजय टाकले, एशिया क्रॉस कंट्री रैली (एएक्ससीआर) के 30वें वर्षगांठ संस्करण में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं - एशिया की सबसे चुनौतीपूर्ण क्रॉस-कंट्री रैली जिसे ÷एशियन डकार÷ के रूप में जाना जाता है। संजय ताकले की मीडिया टीम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह आयोजन 8 अगस्त को थाईलैंड के पटाया में औपचारिक रूप से शुरू होगा और 16 अगस्त को समाप्त होगा, जिसमें क्षेत्र के सबसे चुनौतीपूर्ण भूभागों से होकर 3,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की जाएगी। क्लास टी1डी में कार ण्117 चला रहे ताकाले एक समृद्ध विरासत के साथ एएक्ससीआर ग्रिड पर लौटे हैं, जिसमें कार (क्लासिक श्रेणी) में डकार रैली पूरी करने वाले पहले भारतीय और 2011 में एएक्ससीआर के विजेता होना शामिल है। उनकी टीम इस वर्ष टीम अवार्ड ट्रॉफी के लिए भी दावेदार है। 48 रैलियों में 42 पोडियम के साथ, संजय टाकाले के मोटरस्पोर्ट रेज़्यूमे में यूरोप और में डब्ल्यूआरसी प्रदर्शन शामिल हैं।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि भारत के खिलाफ बल्लेबाजी नहीं करूंगा: क्रिस वोस

नई दिल्ली, ऐजंसी । इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी क्रिस वोक्स ने कहा कि पांचवें टेस्ट के अंतिम दिन भारत के खिलाफ कंधे की हड्डी उखड़ने के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरने के बारे में उन्होंने कभी नहीं सोचा था, हालांकि उन्होंने यह भी सोचा था कि जब उन्हें यह चोट लगी थी तो क्या उनका करियर खतरे में था। वोक्स पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम से पहले विकेट गिरने के समय अपने बाएं हाथ को स्लिंग में लपेटकर और स्वेटर के अंदर डालकर मैदान पर आए थे - जिसे भारत ने बहुत कम अंतर से जीता था - और मैच रोमांचक स्थिति में था। वोक्स ने कहा कि उन्हें लगता है कि यह उनका कर्तव्य था कि वे सभी के लिए ऐसा करें और वह अभी भी इस बात से दुखी हैं कि इंग्लैंड मैच हार गया।

मुझे नहीं पता कि यह क्या है। आपको बस इतना पता है कि आप किसी बड़ी चीज़ का हिस्सा हैं। आप सिर्फ़ अपने लिए नहीं खेल रहे हैं,÷ आगे के स्कैन का इंतज़ार कर रहे वोक्स ने द गार्जियन को बताया। यह आपकी टीम और आपके साथियों की मेहनत और उनके द्वारा किए गए त्याग, घर पर और मैदान पर देखने वाले लोगों की मेहनत है। आप बस सबके लिए ऐसा करना अपना कर्तव्य समझते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं अभी भी बहुत निराश हूँ, सचमुच बहुत निराश हूँ, कि हम वह परीकथा नहीं बना पाए। लेकिन मैंने कभी मैदान पर न जाने के बारे में नहीं सोचा, भले ही जीत के लिए 100 रन ही क्यों न होते या कुछ और। वोक्स ने कहा कि खड़े होकर तालियां बजाकर बाहर आना अच्छा लगा, लेकिन उन्होंने अपने इस वीरतापूर्ण कार्य को ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा, तालियाँ बजना अच्छा लगा और कुछ भारतीय खिलाड़ी अपना सम्मान दिखाने आए। लेकिन कोई भी दूसरा खिलाड़ी भी ऐसा ही करता। नौ विकेट गिरने के बाद आप मैच रद्द नहीं कर सकते थे। वोक्स ने बताया कि उन्होंने चौथे दिन से इंग्लैंड के सहायक कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक के साथ एक हाथ से बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, मैंने सामान्य रूप से एक का बचाव किया और, ओह दोस्त, यह पीड़ादायक था। उन्होंने आगे कहा, हमें जल्द ही समझ आ गया कि बाएँ हाथ का स्टांस कंधे को ढक लेगा और कम से कम मुझे अपने ऊपरी हाथ को नियंत्रण में रखते हुए ब्लॉक करने में मदद करेगा। मैंने कुछ शॉट मारे, कुछ चूके, लेकिन मुझे लगा कि बचने का यही एकमात्र तरीका है। इंग्लैंड के इस सीनियर खिलाड़ी ने भारत के कप्तान शुभमन गिल और उप कप्तान ऋषभ पंत के साथ हुई बहस का भी खुलासा किया, जिन्होंने खुद चौथे टेस्ट में टूटे पैर के साथ बल्लेबाजी करते हुए इसी तरह की बहादुरी का परिचय दिया था।

उन्होंने कहा, शुभमन ने कुछ ऐसा कहा:यह अविश्वसनीय रूप से बहादुरी भरा था।% मैंने उनसे कहा- आपने एक अविश्वसनीय सीरीज़ खेली, शानदार खेला, और इसका श्रेय आपकी टीम को जाता है।% दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने सीरीज़ में अच्छा प्रदर्शन किया और हमने जो प्रदर्शन किया, उसके लिए वे श्रेय के हकदार हैं। बेशक, दोनों टीमें जीतना चाहती थीं, लेकिन यह थोड़ा उचित भी लगता है कि मैच ड्रॉ रहा।÷ मैंने देखा कि ऋषभ (पंत) ने इंस्टाग्राम पर सैल्यूट इमोजी के साथ मेरी एक तस्वीर डाली थी, इसलिए मैंने उन्हें धन्यवाद देते हुए जवाब दिया- %प्यार की सराहना करता हूं और आशा करता हूं कि पैर ठीक है, आदि। वोक्स ने आगे कहा, फिर उन्होंने मुझे एक वॉइस नोट भेजा जिसमें लिखा था- %उम्मीद है सब ठीक होगा, रिकवरी के लिए शुभकामनाएँ और उम्मीद है कि हम किसी दिन फिर से वहाँ मिलेंगे।% मैंने ज़ाहिर तौर पर टूटे पैर के लिए माफ़ी माँगी।÷ वोक्स, जिन्हें एक भी गेंद का सामना नहीं करना पड़ा, ने कहा कि विकेटों के बीच दौड़ना सबसे मुश्किल था। पहला वाला सबसे बुरा था। मैंने सिर्फ़ कोडीन ली थी और बहुत दर्द हो रहा था। यहाँ सहज ज्ञान हावी हो गया - हाथ पर पट्टी बाँधे होने के बावजूद, मैंने स्वाभाविक रूप से दौड़ने की कोशिश की, उन्होंने कहा। मुझे सचमुच चिंता हुई कि मेरा कंधा फिर से उभर आया है, इसलिए आपने मुझे अपना हेलमेट उतारते, दांतों से दस्ताने फाड़ते और यह देखते हुए देखा कि सब ठीक है।÷ ÷आखिर में यह कड़वा-मीठा अनुभव था। मेरे मन में एक हिस्सा सोच रहा था कि क्या होगा, यह देखने के लिए कि क्या मैं गेंद को बचा सकता था, शायद एक ओवर बचा सकता था, एक रन ले सकता था या चौका लगा सकता था।उन्होंने आगे कहा, ÷लेकिन इसका दूसरा पहलू यह था- भगवान का शुक्र है कि मुझे 90 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से एक हाथ से, उल्टी दिशा में मुँह करके बाउंसर का सामना नहीं करना पड़ा। मुझे पता था कि अगर मैं स्ट्राइक पर आ गया तो मुझे कुछ बाउंसर पहनने पड़ेंगे।

बीसीसीआई ने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रमुख पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

मुंबई, ऐजंसी । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक विज्ञप्ति के अनुसार, बेंगलुरु में अपने अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में तीन प्रमुख पूर्णकालिक भूमिकाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। बीसीसीआई की विज्ञप्ति के अनुसार, ये भूमिकाएं कोचिंग, शिक्षा और खेल विज्ञान के क्षेत्रों में भारत के क्रिकेट ढांचे को बढ़ाने के लिए अभिन्न अंग हैं। रेजिडेंट फैकल्टी - बैटिंग, बीसीसीआई सीओई- रेजिडेंट फैकल्टी - बैटिंग, प्रमाणन स्तर 0-3 में बीसीसीआई के राष्ट्रीय कोच शिक्षा कार्यक्रमों का समर्थन और संचालन करेगी। यह व्यक्ति पाठ्यक्रम सामग्री के विकास में योगदान देगा, मूल्यांकन का प्रबंधन करेगा, व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा और प्रशिक्षक विकास की प्रगति पर नज़र रखेगा। इस भूमिका में डिजिटल शिक्षण प्लेटफ़ॉर्म का प्रबंधन और क्षेत्रीय प्रशिक्षकों के साथ संपर्क स्थापित करना भी शामिल है। योग्यता- पूर्व प्रथम श्रेणी या अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर। प्रमाणित बीसीसीआई लेवल-2 या लेवल-3 कोच (अधिमान्य)। राज्य या विशिष्ट युवा स्तर पर न्यूनतम 5 वर्ष का कोचिंग अनुभव। प्रदर्शन विश्लेषण उपकरणों और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में दक्षता। रेजीडेंट फैकल्टी - बॉलिंग, बीसीसीआई सीओई- यह भूमिका बल्लेबाजी संकाय की जिम्मेदारियों को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें गेंदबाजी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। चयनित कोच बीसीसीआई के प्रमाणन पाठ्यक्रमों के संचालन का नेतृत्व करेंगे, पाठ्यक्रम विकास में भाग लेंगे, कोच मूल्यांकन करेंगे, तथा गेंदबाजी के लिए मार्गदर्शन संबंधी पहलों को आगे बढ़ाएंगे। योग्यता- पूर्व प्रथम श्रेणी या अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर। प्रमाणित बीसीसीआई लेवल-2 या लेवल-3 कोच (अधिमान्य)। विशिष्ट टीमों के साथ कम से कम 5 वर्षों का कोचिंग अनुभव। एलएमएस टूल्स, कोच डेवलपमेंट सिस्टम और प्रदर्शन ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर की

जानकारी। बीसीसीआई सीओई में खेल विज्ञान और चिकित्सा प्रमुख- बीसीसीआई सीओई अपनी बहु-विषयक टीम का नेतृत्व करने के लिए खेल विज्ञान और चिकित्सा के एक कुशल और दूरदर्शी प्रमुख की नियुक्ति करना चाहता है। इस भूमिका में रणनीतिक प्रदर्शन योजना, चोट की रोकथाम और पुनर्वास निरीक्षण, एथलीट विकास, तथा राष्ट्रीय टीमों और सीओई में खेल विज्ञान सेवाओं का एकीकरण शामिल है। इस पद पर नियुक्ति से अनुसंधान और नवाचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ साझेदारी भी स्थापित होगी। योग्यता- खेल विज्ञान या संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि (डॉक्टरेट को प्राथमिकता दी जाएगी)। बहु-विषयक प्रदर्शन टीमों के प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका में न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव।

मैं गंभीर के लिए बहुत खुश हूँ, इंग्लैंड में भारत की यादगार सीरीज़ ड्रॉ पर पूर्व मुख्य कोच कर्स्टन

नई दिल्ली, ऐजंसी । भारत के पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन गौतम गंभीर और उनकी टीम द्वारा इंग्लैंड में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के उद्घाटन संस्करण के दौरान हासिल की गई सफलता से खुश थे। ओवल में पाँचवें टेस्ट के आखिरी दिन, मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुँच गया। हौसले और हिम्मत की इस जंग में, समीकरण दिन के उजाले की तरह साफ़ था। इंग्लैंड 374 रनों के लक्ष्य को हासिल करने से 35 रन पीछे रह गया, जबकि भारत को लंदन में सीरीज़ 2-2 से बराबर करने के लिए चार विकेट लेने थे। भारत के खिलाफ मुश्किलें खड़ी होने के बीच, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने इंग्लैंड को परास्त करने के लिए कमर कस ली। दूसरे छोर पर क्रिस वोक्स कंधे की चोट से जूझ रहे थे, और गस एटकिंसन ने एक विकेट शेष रहते हुए जीत के लिए सात रन का लक्ष्य निर्धारित कर दिया। सिराज की कोणीय यॉर्कर एटकिंसन के ऑफ स्टंप पर लगी और भारत ने 2-2 से सीरीज़ बराबर कर ली। सिराज, जो सातवें आसमान पर थे, जोश से दौड़े और अपना चिरपरिचित %सुई% जश्न मनाया और जल्द ही उनके हमवतन खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। गंभीर ने सहायक कोच रयान टेन डोइशेट को गले लगा लिया और बाकी टीम भी तुरंत जश्न में शामिल हो गई। गंभीर ने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल को देखा और दोनों ने गर्मजोशी से एक-दूसरे को गले लगा लिया। इस लंबे कद के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी ने गंभीर को हवा में उठा लिया और भारतीय खिलाड़ी खुशी से दहाड़ उठा। वह मैदान पर गए और अपने कप्तान शुभमन गिल और बाकी खिलाड़ियों को गले लगाया, जब पूरी टीम ओवल में विजय रथ पर सवार थी।

कर्स्टन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ÷मैं बहुत उत्साहित हूँ कि भारत ने श्रृंखला जीत ली; मेरा मतलब है, श्रृंखला बराबर कर ली। और यह भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत अच्छी बात है, और मैं गौतम गंभीर के लिए भी बहुत खुश हूँ। वह जाने-माने खिलाड़ी हैं, और मैंने उनके साथ बहुत काम किया है, और टीम के साथ उन्होंने जो हासिल किया है।

बारामूला में पिकलबॉल कोर्ट खुले, फिटनेस और सामुदायिक सहभागिता की दिशा में एक कदम

बारामूला, ऐजंसी । उत्तरी कश्मीर ने बारामूला जिले के एसएसएम कॉलेज, परिहासपोरा में अपने पहले पिकलबॉल कोर्ट के उद्घाटन के साथ फिटनेस और समावेशी मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस सुविधा का उद्घाटन जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुज़हत गुल ने किया। इसे वर्ल्ड हेल्थ स्पोर्ट्स (WHS) के सहयोग से विकसित किया गया है, जिसके सह-संस्थापक विराज सिंह हैं। यह पहल घाटी में जमीनी स्तर पर खेल अवसंरचना विकास की बढ़ती गति को उजागर करती है। उद्घाटन के अवसर पर नुज़हत गुल ने एएनआई को बताया, पिकलबॉल सिर्फ़ एक खेल नहीं है - यह स्वस्थ जीवन, सामुदायिक जुड़ाव और तनाव मुक्ति का एक मंच है। हमें बारामूला में यह अवसर लाने पर गर्व है और हम इस तरह की पहल को पूरे क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। पिकलबॉल, एक तेजी से बढ़ता हुआ रैकेट खेल है जिसमें टेनिस, बैडमिंटन और टेबल टेनिस के तत्व सम्मिलित हैं, और इसका स्वागत एक ऐसे खेल के रूप में किया जा रहा है जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए सुलभ है - स्कूली बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक। इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, एसएसएम कॉलेज की प्रशासक हया काज़ी ने कहा, उत्तरी कश्मीर के पहले पिकलबॉल कोर्ट की मेज़बानी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। यह सुविधा हमारे छात्रों और स्थानीय समुदाय के बीच फिटनेस और टीम वर्क की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है।

डब्ल्यूएचएस के सह-संस्थापक और परियोजना में प्रमुख भागीदार विराज सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य ऐसे नवीन खेल अवसर प्रदान करना है जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दें, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां ऐसे अवसर सीमित हैं। उद्घाटन मैचों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों ने भी यही भावनाएँ व्यक्त कीं। खिलाड़ियों में से एक छात्रा साहिबा ने इस खेल को ÷फिट रहने और तनाव दूर करने का एक स्वस्थ और मज़ेदार तरीका बताया। स्थानीय खिलाड़ी मंज़ूर अहमद ने भी इस कदम की सराहना करते हुए कहा, ÷ये कोर्ट हमारे जैसे युवाओं के लिए एक ताज़ा बदलाव पेश करते हैं। खेल वास्तव में युवा पीढ़ी को केंद्रित रख सकते हैं और नकारात्मक विकर्षणों से दूर रख सकते हैं। हाल के वर्षों में, इस क्षेत्र में युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन को लेकर बढ़ती चिंताओं ने बेहतर मनोरंजनात्मक बुनियादी ढाँचे की माँग को जन्म दिया है। पिकलबॉल कोर्ट जैसी पहलों को युवाओं को सकारात्मक जीवनशैली विकल्पों और ऊर्जा के उत्पादक उपयोग की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में देखा जा रहा है।

एमवीएन स्कूल ने क्रिसलिस 5.0 का अनावरण किया: पुलेला गोपीचंद और वरुण शर्मा के साथ उत्कृष्टता, खेल कौशल और दूरदर्शिता का एक शानदार संगम

फरीदाबाद , ऐजंसी । एमवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 88 ने अपने प्रमुख अंतर-विद्यालय खेल आयोजन, क्रिसलिस 5.0 - स्कोलास्टिक चैंपियंस लीग के पाँचवें संस्करण का उद्घाटन 6 अगस्त को अत्याधुनिक एमवीएन 88 व्यायाम एवं खेल अकादमी में किया। एमवीएन स्कूल की एक विज्ञप्ति के अनुसार, एनसीआर के 40 से अधिक प्रमुख संस्थानों के 850 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों के साथ, क्रिसलिस 5.0 न केवल एक प्रतियोगिता के रूप में, बल्कि युवा गतिशीलता, एकता और आकांक्षा के उत्सव के रूप में उभरा।

अकादमिक निदेशक, नीता बाली ने इस आयोजन के व्यापक और उत्साहपूर्ण आयोजन की सराहना की। उन्होंने खेलों की भूमिका को एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में रेखांकित किया–जो न केवल शरीर, बल्कि मन और चरित्र को भी आकार देती है। सेक्टर 88 स्थित एमवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल नीता अरोड़ा ने समग्र विकास के लिए एमवीएन की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने स्कूल के ई2 दर्शन और अद्वितीय फिटनेस ढांचे पर गर्व से प्रकाश डाला, जहाँ प्रत्येक छात्र सप्ताह में चार फिटनेस और चार खेलों के पीरियड में भाग लेता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि स्वास्थ्य, अनुशासन और आनंद स्कूली जीवन की लय में सहज रूप से समाहित हों।

क्रिसलिस 5.0 की सफलता एमवीएन सोसाइटी की प्रबंध निदेशक कांता शर्मा, एमवीएन सोसाइटी के अध्यक्ष वरुण शर्मा और एमवीएन स्कूल्स के निदेशक जेपी गौर के दूरदर्शी नेतृत्व से संभव हुई। युवाओं की शक्ति में उनका अटूट विश्वास और उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ही वह आधारशिला थी जिस पर यह शानदार आयोजन आधारित था। बैडमिंटन और बास्केटबॉल के रोमांचक कोर्ट से लेकर तैराकी, टेबल टेनिस, संगीतमय योग,

ज़ुम्बा और जिम्नास्टिक के मनमोहक अखाड़ों तक, हर प्रतियोगिता ऊर्जा, सटीकता और अदम्य खेल भावना से ओतप्रोत थी। हर मैच अनुशासन और जुनून का एक उत्कृष्ट उदाहरण था, जिसने दर्शकों को भावविभोर, प्रेरित और विस्मित कर दिया। एमवीएन के छात्रों ने एमवीएन गान की एक शानदार प्रस्तुति से माहौल तैयार किया, जो उत्कृष्टता और एकता के स्कूल मूल्यों को समर्पित था। एक भावपूर्ण प्रेरक गीत ने प्रत्येक प्रतिभागी को उठ खड़े होने, प्रयास करने और चमकने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद कई मनमोहक प्रस्तुतियाँ हुईं जिनमें कलात्मकता और एथलेटिकता का अद्भुत मिश्रण था। नर्तकों ने खेल के उपकरणों का उपयोग गरिमा और दृढ़ता के विस्तार के रूप में किया। यह फ्यूजन नृत्य उत्कृष्ट नृत्यकला के साथ एक उत्कृष्ट दृश्य कृति थी। क्रिसलिस 5.0 का समापन होते ही यह स्पष्ट हो गया कि यह केवल एक अंतर-विद्यालयीय खेल आयोजन नहीं था। यह उत्कृष्टता, एकता और भविष्य के चैंपियनों के निर्माण की दिशा में एक आंदोलन था। एमवीएन स्कूल ने एक बार फिर समग्र शिक्षा के अग्रदूत के रूप में अपनी पहचान स्थापित की, जहाँ हर बच्चे को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

धमधा के तुमाखुर्द गांव में स्कूली बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

दुर्ग/रायपुर, निप्र। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई शैक्षणिक युक्तियुक्तकरण नीति का असर अब सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है। दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड के ग्राम तुमाखुर्द स्थित सरकारी प्राथमिक शाला में हाल ही तक एकमात्र शिक्षक के भरोसे स्कूल संचालित हो रहा था। विद्यालय में पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं संचालित थी, लेकिन शिक्षक की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।

एक ही शिक्षक के भरोसे पांचों कक्षाओं का संचालन असंभव था। बच्चों की पढ़ाई नियमित नहीं हो पाती थी और धीरे-धीरे उपस्थिति भी घटने लगी थी। परिजनों की चिंता बढ़ती जा रही थी, खासकर खुशबू जैसी छात्राओं के माता-पिता बेहद चिंतित थे, जो अपनी बच्ची को पढ़ाना चाहते थे लेकिन हालात साथ नहीं दे रहे थे। ऐसे में शिक्षा विभाग द्वारा युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत इस विद्यालय में एक योग्य शिक्षक की पदस्थापना की गई, जिसने विद्यालय की तस्वीर ही बदल दी। अब बच्चों को नियमित कक्षाएँ, खेल, कविताएं और कहानियों के माध्यम से पढ़ाई का आनंद मिल रहा है। खुशबू बताती है कि अब स्कूल आना अच्छा लगता है, नई-नई चीजें सीखने को मिलती हैं और शिक्षक ढेर सारे खेल-कविताएं सिखाते हैं। बदलते माहौल का असर बच्चों की उपस्थिति पर भी पड़ा है। अब यहां शत-प्रतिशत उपस्थिति देखी जा रही है। शिक्षक के समर्पण और बच्चों की जिज्ञासा ने मिलकर विद्यालय में एक नया उत्साह और उमंग भर दिया है। जो स्कूल कभी वीरान सा लगता था, वहां अब बच्चों की किलकारियां और सीखने की चहल-पहल साफ झलक रही है।

अभिभावकों को भी अब भरोसा है कि उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और नियमित शिक्षा मिल रही है। राज्य शासन की यह नीति केवल शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की पुनर्रचना नहीं, बल्कि ग्रामीण शिक्षा प्रणाली को मजबूती देने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। खुशबू जैसी नन्हीं छात्राओं की मुस्कान इस बात की गवाही दे रही है कि शिक्षा अब हर गांव और हर बच्चे तक पहुँच रही है।

बलरामपुर जिले के 2033 स्कूलों में पालक शिक्षक मेगा बैठक संपन्न

बलरामपुर, निप्र। बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के लिए में स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशन एवं कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले के 2033 स्कूलों में पालक-शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी पालकों को उनके बच्चों एवं विद्यालय के संपूर्ण गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई। ताकि पालक एवं शिक्षक के सामूहिक प्रयास से बच्चों के बेहतर भविष्य बनाया जा सके। अभिभावकों से बच्चों के शैक्षणिक स्तर, दिनचर्या, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में घर में शैक्षणिक वातावरण निर्माण हेतु मेरा कोना पहल की जानकारी दी गई, जिसके तहत अभिभावकों को प्रेरित किया गया कि वे अपने घरों में बच्चों के लिए एक विशेष अध्ययन स्थान निर्धारित करें। मेरा कोना न केवल बच्चों को अनुकूल वातावरण देगा बल्कि बच्चों में अनुशासन, नियमितता और अध्ययन के प्रति लगाव भी बढ़ेगा। बच्चा बोलेगा बेझिझक कार्यक्रम के तहत बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ावा, बच्चों की अकादमिक प्रगति, परीक्षा परिणाम, सीखने की दिनचर्या के संबंध में भी विस्तार से चर्चा किया गया। बैठक में आय, जाति एव निवास प्रमाण पत्र बनवाने, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाएं एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी, पॉस्को एक्ट 2012, डिजिटल शिक्षा प्लेटफॉर्म जैसे दिक्षा, ई-जादुई पिटारा आदि के संबंध में अभिभावकों को जानकारी भी दी गई। बच्चों के बेहतर शिक्षा में शिक्षकों के साथ-साथ पालकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है और शिक्षकों का मेहनत तब सार्थक होता है जब पालक भी अपने बच्चों की पढ़ाई में रूची दिखाते है। जिनके समन्वय और सक्रिय भागीदारी से बच्चे परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बेहतर परिणाम लाते है। निश्चित ही पालक-शिक्षक बैठक से बच्चों के शिक्षा में सुधार होगा।

यातायात व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए सार्वजनिक नाली से हटाया गया अतिक्रमण

बलरामपुर, निप्र। कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशानुसार जिले में अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज गुरुवार को छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने एसडीएम आनंद राम नेताम एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रणव राय के नेतृत्व में बलरामपुर मुख्यालय चांदो चौक में सार्वजनिक नाली पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। लोगों के द्वारा सार्वजनिक नाली पर कब्जा कर मुख्य मार्ग को संकरा बना दिया गया था जिस पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान संबंधितों को अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी भी दी गई कि कोई पुनः अतिक्रमण करता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि, जिले में अवैध अतिक्रमण से आम नागरिकों के दैनिक आवागमन को कठिन बना दिया था। विशेषकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यागजनों को चलने में भारी कठिनाइयों का समाना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि सड़कें और नालियां जैसे शासकीय संपत्ति पर यदि कोई अतिक्रमण करता है तो नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

अंबिकापुर-रामानुजंगज राष्ट्रीय राजमार्ग अत्यंत जर्जर, फंस रहे वाहन और लग रहा जाम

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर/ सूरजपुर निप्र। अंबिकापुर-रामानुजंगज राष्ट्रीय राजमार्ग में बलरामपुर एवं राजपुर के बीच ग्राम पस्ता के पास बड़े-बड़े गड्ढों में बोल्डर एवं मुरम डाला गया था। गुरुवार को जब वाहनें गुजरने लगी तो छह ट्रकों के टायर फट गए वहीं, सुबह छह बजे एवं नौ बजे दो बार ट्रक फंसने से घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो गई। दिन भर में कई बार गाड़ियां फंसी एवं जाम की स्थिति निर्मित हुई। एक्सीवेटर और हाइड्रा की मदद से वाहनों को बाहर निकाला। रामानुजगंज से अंबिकापुर के बीच तीन खंडों में टू लेन सड़क का निर्माण किया जाना है। इसके पूर्व सड़क को आवागमन लायक बनाने के लिए 10 करोड रुपये स्वीकृत किए गए थे जिससे सड़क के मरम्मत का कार्य चल रहा है परंतु मरम्मत के कार्य में घोर लापरवाही ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है, जो परेशानी का सबब बन रहा है। बीते कई

दिनों से बलरामपुर से राजपुर के बीच आवगमन प्रभावित हो रहा है। सड़क की मरम्मत के नाम पर ठेकेदार के द्वारा लीपापोती करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

पस्ता के स्थानीय नागरिक अरुण गुप्ता ने कहा कि, विगत कई दिनों से जर्जर सड़क हम सबके लिए परेशानी का सबब बना है। पस्ता राष्ट्रीय राजमार्ग गड्ढ़ों से भर गया है। प्रतिदिन गाड़ियां फंस रही है परंतु इसके बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी एवं ठेकेदार गड्ढ़ो को भरने में लापरवाही बरत रहे हैं। पस्ता थाना प्रभारी विमलेश सिंह ने बताया कि, एक सप्ताह से राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गई है। कई बार हम लोगों के द्वारा आवागमन दुरुस्त करने के लिए स्थानीय स्तर पर एक्सीवेटर की मदद से वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु किया जा रहा है। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम खुशी पंचायत भवन के पास पीएमजीएसवाई योजना के तहत दलदली नाला पर बनाई गई पाइप पुलिया का आधा हिस्सा पिछले दिनों हुई तेज बारिश में बह गया। आधा हिस्सा बहने के साथ ही पुलिया में लगे पाइप के ऊपर डाली गई मिट्टी का भी कटाव हो गया है। इससे पुलिया के ऊपर सड़क खोखली हो गई है जो कभी भी धराशायी होकर गिर सकती है और इस पर से गुजरने वाले वाहन सवारों के लिए भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। पुलिया के ऊपर बनी सड़क तो खोखली हो ही चुकी है साथ ही सड़क का बाकी हिस्सा भी कई जगहों पर मरम्मत मांग रहा है। उल्लेखनीय है कि, आज गुरुवार से लगभग आठ वर्ष पूर्व पीएमजीएसवाई योजना के तहत प्रतापपुर विकासखंड के ही मायापुर से लेकर पहिया, खुशी व मझगवां तक करोड़ों की लागत से लगभग दस किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया गया था। सड़क निर्माण के साथ ही ग्राम खुशी के दलदली नाला में पाइप पुलिया का भी निर्माण किया गया था जिसका आधा हिस्सा पिछले दिनों हुई भारी के कारण बह गया।

आवागमन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण यह सड़क बनारस मार्ग से भी जुड़ी हुई है। इस सड़क से रोजाना दर्जनों वाहन सवार ग्रामीण आवाजाही करते हैं। इस संबंध में ग्राम खुशी के सरपंच रामजय रमते ने बताया कि, पुलिया को थोड़ा बहुत हिस्सा पहले भी क्षतिग्रस्त होता रहा है जिसे पंचायत द्वारा मरम्मत कर सुधार दिया जाता था। इस बार की बारिश में पुलिया को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है। इसके कारण इसकी मरम्मत करना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि यदि पाइप पुलिया के स्थान पर पिलर वाला पुलिया बनाई गई होती ती आज यह स्थिति नहीं होती। सरपंच रमते ने शासन प्रशासन से शीघ्र पुलिया की मरम्मत कराने मांग की है। लंबे समय से अटकी है पिलर पुल-पुलिया निर्माण की फाइलमिली जानकारी अनुसार, जिले में पीएमजीएसवाई के लगभग 17 से 18 पुल-पुलिया ऐसे हैं जिन्हें पिलर तकनीक में ढालने की आवश्यकता है। इसकी स्वीकृति के लिए विभाग ने वर्ष 2017-18 में पूरी जानकारी के साथ केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय को एक फाइल बनाकर भेजी थी। पर इतना लंबा समय बीत जाने के बाद भी यह फाइल मंत्रालय में ही अटकी हुई है।

स्तनपान शिविर व जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

बलौदाबाजार, निप्र। छत्तीसगढ़ के आयुष विभाग बलौदाबाजार द्वारा गुरूवार को सिमगा विकासखण्ड के आयुष ग्राम हथबंद आगनबाड़ी केन्द्र में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत स्तनपान जागरूकता शिविर एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को स्तनपान का महत्व बताते हुए शतावरी चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, सौभाग्य शुंठी पाक, द्राक्षासव आदि आयुर्वेदिक दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में डॉ. नम्रता सिंघानिया, फार्मासिस्ट गोविंद पैकरा, आंगबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, मितानिन सहित बड़ी संख्या महिलाएं उपस्थित रहीं।

नारियल विकास बोर्ड कोंडागांव में 10 रुपये में नारियल मिलने से चर्चा का केंद्र बना

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव निप्र। जिले का इकलौता नारियल विकास बोर्ड कोंडागांव में संचालित है, इसका संचालन केंद्र सरकार करती है। यहां 150 एकड़ क्षेत्रफल में नारियल की खेती की जा रही है। जो इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है, जिसका कारण यह है कि छत्तीसगढ़ में 50 रुपये तक में मिलने वाला नारियल कोंडागांव में मात्र 10 रुपये में मिल रहा है। इसे खरीदने के लिए वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई है। लोग 10 में खरीदकर इसे 20-25 में बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। इस बोर्ड द्वारा उगाए गए नारियल आम बाजार में मिलने वाले नारियल से अधिक ताजे और बेहतर गुणवत्ता

वाले हैं। साथ ही कीमत में भी बेहद सस्ते हैं। बाजार में एक नारियल 20 से 25 रुपये का मिलता है, हालांकि छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों की बात करें तो नारियल पानी की कीमत 50 रुपये तक है। सीता बाई, जो पास के ही एक गांव से आती हैं, बताती हैं, हम रोज 50-60 नारियल लेते हैं और बाजार में बेचते हैं। राखी के टाइम पर बहुत डिमांड रहती है। एक नारियल पर 10-15 रुपये का मुनाफा हो जाता है। नारियल विकास बोर्डकोंडागांव में इन दिनों बेहद सस्ते दामों पर नारियल की उपलब्धता होने के कारण नारियल खरीदने के लिए महिलाओं और पुरुषों की लंबी कतारें लग रही हैं । त्योहारी मांग के चलते यहां महिलाओं की बड़ी संख्या पहुंच रही है। कई महिलाएं रोजाना दर्जनों नारियल खरीदकर बाजार में 20-25 रुपये में बेच रही हैं। इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है। नारियल विकास बोर्ड सिर्फ फल बेचने तक सीमित नहीं है। यहां पर किसानों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। वे अपनी ज़मीन पर नारियल, कोको, अदरक, दालचीनी, तेजपत्ता, लीची और आम जैसी नकदी फसलें उगा सकते हैं। इससे वे पारंपरिक खेती के साथ-साथ वैकल्पिक आय का जरिया भी विकसित कर रहे हैं। बोर्ड के अधिकारी बताते हैं कि अब तक कई किसान नारियल की खेती से जुड़ चुके हैं ।

आईटीआई सकरी में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला 11 अगस्त को

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार, निप्र। आईटीआई के विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित युवाओं को रोज़गार पाने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। शासकीय आद्यौगिक प्रशिक्षण संस्था सकरी बलौदाबाजार में आगामी 11 अगस्त ,सोमवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले का आयोजन सुबह 10.30 बजे से होगा। उक्त मेले में विभिन्न प्रतिष्ठानों को अप्रेंटिसशिप एवं प्लेसमेंट हेतु आंमत्रित किया गया है। शासकीय एवं निजी आईटीआई से उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं आवश्यक अभिलेखों और दस्तावेजों के साथ शामिल होकर इस अवसर का लाभ ले सकते है। कलेक्टर दीपक सोनी ने जिले के सभी आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं से इस मेले में शामिल होने की अपील की है।उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण आयोजन है। अप्रेंटिसशिप की अवधि एक वर्ष की होगी। अप्रेंटिसशिप पूर्ण करके युवाओं को विभिन्न संस्थानों में रोज़गार के बेहतर अवसर मिल पाएंगे।

बस्तर जिले में हर घर तिरंगा अभियान का आगाज:बिहान दीदियों ने संभाली कमान

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर, निप्र। देश की आजादी की 79 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत बस्तर जिले में हर घर तिरंगा अभियान का भव्य आगाज हो चुका है। कलेक्टर हरिस एस और जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन के आह्वान पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) समूह की दीदियों ने इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित की है। बिहान समूह की दीदियों ने हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इस दिशा में वे रंगोली बनाने और रैलियां निकालने जैसे रचनात्मक तरीकों का उपयोग कर संदेश प्रसारित कर रही हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस राष्ट्रीय पर्व का हिस्सा बन सकें। बस्तर जिले के बस्तर, बकावंड, लोहंडीगुड़ा, जगदलपुर, दरभा, तोकापाल और बास्तानार ब्लॉकों में 15 अगस्त तक

चलने वाले इस हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत बिहान की दीदियों द्वारा तिरंगा फहराकर की गई । इस अवसर पर उन्होंने जिले वासियों और ग्रामवासियों को अभियान में उत्साहपूर्वक शामिल होने का संदेश दिया । यह अभियान केवल ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य देश प्रेम, राष्ट्रीय गौरव और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है । बिहान स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर तिरंगा लहराकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की ।

महापौर के नेतृत्व में निगम द्वारा निकाली स्वच्छता जनजागरूकता रैली

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर, निप्र। छत्तीसगढ़ के नगर निगम जगदलपुर द्वारा महापौर संजय पाण्डे के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता अभियान में नगर निगम के अधिकारीगण, सभी पार्षदगण, सम्माननीय नागरिक, स्वच्छता एंबेसडर, व्यापारीगण एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य है जगदलपुर शहर को साफ-सुथरा और स्वच्छता में नंबर 1 स्थान दिलाना है। इसके लिए आम नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की जा रही है कि वे अपने घरों और दुकानों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखें, ताकि उसे सेग्रीग्रेशन सेंटर में उचित तरीके से निपटाया जा सके। अभियान की शुरुआत 14 जुलाई से हुई, जिसके अंतर्गत प्रतिदिन अलग-अलग स्थानों पर रैली के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

आज गुरूवार को महापौर संजय पाण्डे के नेतृत्व में पैलेस रोड से एक जनजागरूकता रैली निकाली गई। सभी सहभागीगण हाथों में पाम्पलेट व माईक लिए दुकानों में जाकर स्वच्छता का संदेश दे रहे थे। उन्होंने दुकानदारों से हाथ जोड़कर निवेदन किया कि वे गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में रखें और नगर निगम की कचरा गाड़ी में ही कचरा दें। महापौर संजय पाण्डेने कहा कि आपका छोटा सा प्रयास हमारे नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में बहुत बड़ा योगदान होगा। हम सबकी भागीदारी से ही स्वच्छ और सुंदर जगदलपुर का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि गीले कचरे से जैविक खाद बनाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सकता है। यदि कचरा वाहन नियमित नहीं आता है, तो नागरिक टोल फ्री नंबर 1100 या अपने वार्ड पार्षद से संपर्क कर सकते हैं। यह अभियान केवल नगर निगम का नहीं, हर नागरिक का अभियान है। आइए, हम सभी मिलकर जगदलपुर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर बनाएं। अभियान के दौरान महापौर संजय पाण्डे, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, पूर्व महापौर सफिरा साहू, एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, निर्मल पाणिग्रही, योगेंद्र पांडे, संजय विश्वकर्मा, संग्राम सिंह राणा, सुरेश गुप्ता, त्रिवेणी रंधारी, कलावती कसेर पार्षदगण खगेंद्र ठाकुर, पूनम सिन्हा, पारुल बोथरा, रोशन सिसोदिया, उमा मिश्रा, विधु शेखर झा, एच वाय कुकड़े, राजीव निगम, हेमंत श्रीवास, दामोदर कुमार, शक्ति बेल, नीटू भदोरिया, मनोहर दत्त तिवारी, रोहित त्रिवेदी, रघु सेठिया, प्रकाश झा, संजय चंद्राकर, राजपाल कसेर, झरना मोहंती, रंजीता पाणिग्रही, नवीन बोथरा, वीरेन्द्र जोशी, विमल पांडे, सूरज श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा